राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 28 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–277 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहचान या पुरानी शादी छिपाकर रिश्ते बनाने पर मिलेगी 10 साल की सजा, नए कानून की तैयारी

● कोई शख्स शादी के लिए पहचान छिपाता है या फिर संबंध बनाने के लिए ऐसा करता है तो उसे रेप नहीं माना जाएगा, लेकिन छल माना जाएगा। इसे लेकर जल्दी ही सिफारिश सौंपी जा सकती है।

नई दिल्ली। पहले से शादीशुदा होने की जानकारी या फिर अपनी असली पहचान छिपाकर किसी महिला से शादी रचाना या संबंध बनाना भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध होगा। भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 69 के मुताबिक ऐसा करना छल माना जाएगा और ऐसे मामलों में 10 साल तक की सजा मिल सकती है। कानूनी मामलों के संसदीय पैनल ने इस संबंध में एक रिपोर्ट तैयार की गई है और इसे लेकर एक विधेयक आ सकता है। इसके मुताबिक यदि कोई शख्स शादी करने के लिए पहचान छिपाता है या फिर संबंध बनाने के लिए ऐसा करता है तो उसे रेप नहीं माना जाएगा, लेकिन छल माना जाएगा। ऐसे मामलों में 10 साल तक की कैद की सजा का नियम बनाने की तैयारी है। इस सेक्शन में साफ किया गया है कि रोजगार देने, प्रमोशन या फिर शादी का वादा करते हुए पहचान छिपाकर शादी करना छल माना जाएगा। भारतीय न्याय संहिता विधेयक पर स्टैंडिंग कमेटी की ड्राफ्ट रिपोर्ट शुक्रवार को पेश की जाएगी। दरअसल बीते कुछ सालों में ऐसे ढेरों मामले सामने आए हैं, जब लोगों ने अपने शादीशुदा होने की बात को छिपाकर किसी महिला से ब्याह रचा लिया। इसके बाद उत्पीड़न की घटनाओं को अंजाम दिया गया। इसके अलावा मजहब छिपाकर शादी करने के भी मामले सामने आते रहे हैं। ऐसा पहली बार होगा, जब पहचान छिपाकर शादी करने को अपराध मानते हुए अलग से केस चलाया जाएगा। ऐसे मामलों को कैसे डील किया जाए, इसे लेकर पुलिस पसोपेश में रहती थी। अब इस पर कानून बनने से स्पष्टता होगी कि ऐसे मामलों में किस तरह से ऐक्शन लिया जाए। बता दें कि ऐसे मामलों को एक वर्ग लव जिहाद भी कहता रहा है, जिसमें अंतर्धार्मिक विवाह पहचान छिपाकर किए जाने के मामले सामने आते हैं। इसके अलावा रिलेशनशिप बनाने के लिए भी कई बार पहचान छिपाने की घटनाएं सामने आई हैं।

“ ● जब लोगों ने अपने शादीशुदा होने की बात को छिपाकर किसी महिला से ब्याह रचा लिया। इसके बाद उत्पीड़न की घटनाओं को अंजाम दिया गया। इसके अलावा मजहब छिपाकर शादी करने के भी मामले सामने आते रहे हैं। ऐसा पहली बार होगा, जब पहचान छिपाकर शादी करने को अपराध मानते हुए अलग से केस चलाया जाएगा। ऐसे मामलों को कैसे डील किया जाए, इसे लेकर पुलिस पसोपेश में रहती थी। अब इस पर कानून बनने से स्पष्टता होगी कि ऐसे मामलों में किस तरह से ऐक्शन लिया जाए।

फिर तेज हुआ India Vs Bharat विवाद, प्रधान बोले- निराश लोगों में देश की पहचान 'भारत' करने पर विवाद पैदा करने की मची होड़

अहमदाबाद। भारत बनाम इंडिया का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कुछ समय पहले त्र20 के दौरान भारत सरकार द्वारा जब इंडिया का नाम भारत किया गया तो ये मुद्दा और तेज हो गया। इसके बाद से ही देश के नाम को बदलने की भी अटकलें तेज हो गई थी। वहीं, अब एक बार फिर से NCERT की किताबों में इंडिया की जगह भारत नाम लिखने का फैसला आने के बाद से ये मुद्दा उठ गया है। कुछ निराश लोग भारत-इंडिया नाम को लेकर कर रहे प्रतिस्पर्धा- प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को कहा कि कुछ निराश लोग देश की पहचान भारत करने को लेकर विवाद पैदा करने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र प्रधान गुजरात के नर्मदा जिले में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास टेंट सिटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन पर पश्चिमी क्षेत्र के कुलपतियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में प्रधान ने कहा, पिछले कुछ समय से इस बात पर विवाद चल रहा है कि हमारे देश को इंडिया या भारत के नाम से जाना जाना चाहिए। लेकिन फर्क क्या है? मेरा मानना है कि इंडिया और भारत में कोई अंतर नहीं है। भारत हमारे देश का नाम है। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया नाम उन लोगों द्वारा दिया गया था जो औपनिवेशिक काल के दौरान अंग्रेजी साहित्य पढ़ते थे। प्रधान ने कहा, हमारे संविधान ने इंडिया और भारत दोनों को समान महत्व दिया है और भारत एक भारतीय नाम है, एक मूल नाम है। यह हमारी सभ्यता का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन, कुछ निराश लोगों के मन में इसे लेकर विवाद खड़ा करने की होड़ चल रही है।

विपक्षी दलों ने उठाएं थे सवाल-उनकी यह टिप्पणी कई विपक्षी दलों के नेताओं के विरोध के एक दिन बाद आई है जिसमें विपक्षी नेताओं ने कहा था कि ह्ष्टश्वक्रञ्ज पैनल ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में ÷इंडिया÷ की जगह ÷भारत÷ की सिफारिश की और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा इतिहास बदलना चाहती है और विपक्षी गुट इंडिया के हाथों अपनी हार के डर से ऐसे हताश कदम उठा रही है।

बसपा ने जारी की 13वीं सूची, 15 उम्मीदवारों के नाम घोषित

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपने उम्मीदवारों की तेरहवीं सूची जारी कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इंजी. रमाकांत पिप्पल द्वारा गुरुवार देर रात (आधी रात को) जारी की गई इस सूची में 15 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इसमें भिंड से मौजूदा विधायक संजीव सिंह कुशवाह को भी बसपा ने टिकट दिया है। भाजपा से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर संजीव सिंह कुशवाह ने गुरुवार को ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया था। इस सूची में बसपा ने कुल सात सीटों पर उम्मीदवार बदले हैं, जबकि आठ सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। दरअसल, 2018 में संजीव सिंह कुशवाह बसपा के टिकट पर ही चुनाव लड़े थे और जीतक विधायक भी बने थे, लेकिन बाद में वे बसपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन इस बार भाजपा ने उनका टिकट काट दिया। इसके नाराज होकर संजीव सिंह कुशवाह ने गुरुवार को भाजपा छोड़ दी और दोबारा बसपा में शामिल हो गए। देर रात बसपा ने 13वीं सूची में भिंड में रक्षपाल सिंह कुशवाह का नाम परिवर्तन कर दोबारा संजीव सिंह कुशवाह को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा बसपा ने छह अन्य सीटों पर अपने उम्मीदवार बदल दिए हैं। इनमें ग्वालियर से पप्पन यादव की जगह मनोज शिवहरे, पृथ्वीपुर में रमन पस्तोर का नाम बदलकर आशीष रैकवार, विजयपुर में महेश कुशवाह का नाम बदलकर

धारा सिंह कुशवाह, डॉ. अंबेडकर नगर महू में राजेद्र वर्मा का नाम बलकर कैलाश ऊटवाल और आलोट में गोपाल परिहार का नाम बदलकर मोहन परिहार को टिकट दिया है। इसके अलावा बसपा ने ग्वालियर दक्षिण से सद्दो खान, डबरा से सत्यप्रकाशी परसेड़िया, मल्हरा से लखन लाल अहिरवार, जयसिंह नगर से रंजीत सिंह, देपालपुर से प्रकाश सोलंकी, इंदौर-2 से ज्ञानेंद्र बगोरिया, इंदौर-3 से राजेंद्र अहिरवाल, रतलाम शहर से जहीर उद्दीन, लांजी से विजय वारे को उम्मीदवार बनाया है।

गहलोत के 3 वफादरों पर सचिन पायलट का वीटो ? तीसरी सूची में भी नाम नहीं

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस की तीसरी लिस्ट में भी गहलोत के वफादार 2 मंत्री और एक दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री को टिकट नहीं मिला है। ऐसे में टिकट कटने को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। तीसरी लिस्ट में 19 उम्मीदवर कांग्रेस ने घोषित किए है। बता दें पिछले साल 25 सितंबर को दोनों ही मंत्रियों ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर सीधे तौर पर कांग्रेस आलाकमान को चुनौती दे दी थी। सचिन पायलट के विरोध पर तीनों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। अटकलों का बाजर गर्म है कि सचिन पायलट के विरोध के चलते इन मंत्रियों का टिकट अभी तक क्लीयर नहीं हुआ है। हालांकि, सचिन पायलट ने संकेत दिए है वह तीनों का विरोध नहीं करेंगे। लेकिन फिलहाल मामला अटका हुआ है।

तीनों ही मंत्री गहलोत के चहेते

राजस्थान की राजनीति में गहलोत और पायलट की अदावत किसी से छिपी नहीं है। तीनों मंत्रियों को लेकर कहीं न कहीं पेच फंसा हुआ है। सियासी जानकारों का कहना है कि तीनों को ही कांग्रेस आलाकमान को चुनौती देना भारी पड़ सकता है। हालांकि, मंत्री महेश जोशी अपने बेटे पर दुष्कर्म के आरोप की वजह से विवादों में आ गए है। बता दें राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की तीसरी लिस्ट जारी हो गई है। गुरुवार शाम पार्टी ने 19 उम्मीदवारों के नाम के साथ तीसरी लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में गहलोत सरकार के एक मंत्री के साथ-साथ 11 मौजूदा विधायकों के नाम शामिल हैं। लेकिन अभी तक गहलोत सरकार के नगर विकास और आवास विभाग मंत्री शांति धारीवाल को टिकट नहीं मिला है। शांति धारीवाल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के चेहेते हैं।

सचिन पायलट ने सपोर्ट करने के संकेत दिए थे

सीएम अशोक गहलोत के धुर विरोधी सचिन पायलट ने हाल ही में संकेत दिए थे वे गहलोत तीनों मंत्रियों समेत गहलोत समर्थकों को टिकट देने का विरोध नहीं करेंगे। लेकिन सियासी जानकारों का कहना है कि राजनीति में जो कहा जाता है, ऐसा हो जाए इसकी गारंटी नहीं होती है। वैसै भी सचिन पायलट उदार नेता माने जाते हैं। लेकिन जिस तरह से दोनों मंत्रियों को टिकट मिलने में देरी हो रही है। इससे अटकलों का बाजर गर्म हो गया है। तीनों लिस्ट जारी होने के बाद एक बात समान रूप से है कि गहलोत और पायलट ने अपने-अपने चेहतों को खूब टिकट दिलवाए है। नए चेहरों को मौका नहीं मिल पाया है।

जम्मू में पाकिस्तान की तरफ से फायरिंग: भारत की 5 चौकियों पर गोलीबारी, मोर्टार भी दागे

श्रीनगर। जम्मू के अरनिया और सुचेतगढ़ सेक्टर में पाकिस्तान ने गुरुवार (26 अक्टूबर) को सीज फायर का उल्लंघन किया है। इंटरनेशनल बॉर्डर पर रात 8 बजे पाकिस्तानी रेंजर्स ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें क्चस्स्न का एक जवान और एक महिला घायल हो गई। न्यूज एजेंसी PTI को BSF के एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने भारत की पांच चौकियों पर फायरिंग की। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान रेंजर्स ने रिहायशी इलाकों में मोर्टार के गोले भी दागे। इससे घरों की दीवारें ढह गईं। गोलीबारी के बीच स्थानीय लोगों को रातभर बंकर में रखा गया। घायलों को जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान की तरफ से सीज फायर उल्लंघन की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 17 अक्टूबर को पाकिस्तानी रेंजर्स ने अरनिया सेक्टर में बिना वजह गोलीबारी की थी। इस घटना में BSF के दो जवान घायल हो गए थे। 25 फरवरी 2021 के बाद से पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के अलावा कई अन्य क्षेत्रों में सीज फायर का उल्लंघन कर चुका है।

गोलीबारी से पहले सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा में 5 आतंकी मार गिराए

पाकिस्तान की तरफ से 26 अक्टूबर को गोलीबारी तब की गई, जब दिन में कश्मीर के कुपवाड़ा में स्थ्रष्ट के पास सुरक्षाबलों ने लश्कर के पांच आतंकी मार गिराए। सुरक्षाबलों को मौके से 5्र्य सीरीज की राइफल के अलावा भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। न्यूज एजेंसी क्क्रञ्ज के मुताबिक, कश्मीर पुलिस के ADGP विजय कुमार ने बताया- हमें इनपुट मिले थे कि कुछ आतंकी माछिल सेक्टर में भारत की सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं। जॉइंट टीम ने 25-26 अक्टूबर की दरमियानी रात LoC के पास सरदारी नार इलाके में ऑपरेशन शुरू किया। 26 अक्टूबर को जॉइंट टीम ने जंगलों में आतंकियों को आते देखा, वो दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जवाब में इधर से भी फायरिंग की गई। इसमें लश्कर-ए-तैयबा के 5 आतंकी ढेर हो गए। आतंकी की पहचान की जा रही है, उनके पास से बरामद हथियार जब्त कर लिए गए हैं।

5 राज्यों में 5 दिसंबर तक केंद्र की 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' पर लगी रोक, चुनाव आयोग का निर्देश

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह 5 दिसंबर तक पांच राज्यों में अपनी प्रस्तावित विकसित भारत संकल्प यात्रा नहीं निकाले। चुनाव आयोग ने कैबिनेट सचिव राजीव गौबा लिखे एक पत्र में केंद्र से आगामी चुनाव वाले राज्यों और नागालैंड के तापी निर्वाचन क्षेत्र में जिला रथप्रभारी नियुक्त करने से परहेज करने के लिए कहा है। तापी में भी उपचुनाव होना है। आपको बता दें कि विकसित भारत संकल्प यात्रा योजनाओं और पहलों पर सरकार का मेगा आउटरीच कार्यक्रम है। चुनाव आयोग ने कहा, यह आयोग के संज्ञान में लाया गया है कि 20 नवंबर, 2023 से शुरू होने वाली प्रस्तावित विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए मंत्रालयों से जिला रथ प्रहरियों के लिए विशेष अधिकारियों के नाम मांगे गए हैं।÷ आयोग ने निर्देश दिया है कि यह यात्रा उन निर्वाचन क्षेत्रों

में नहीं की जानी चाहिए जहां 5 दिसंबर, 2023 तक आदर्श आचार संहिता लागू है। चुनाव आयोग ने इस महीने की शुरुआत में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की है। पहले दिन ही केंद्र ने स्पष्ट कर दिया कि वह चुनावी राज्यों में यात्रा को छोड़ देगा। सूचना और प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 2.55 लाख ग्राम पंचायतों और लगभग 18,000 शहरी स्थानों में सरकारी पहल को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों को रथ शब्द से संबोधित नहीं किया जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने अधिकारी के हवाले से कहा, चुनाव वाले राज्यों में जहां आदर्श आचार संहिता लागू है। वहां विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू करने की कोई योजना नहीं है। चुनावी राज्यों में आदर्श आचार संहिता हटने पर यात्रा शुरू होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिरसा मुंडा जयंती-जन जाति गौरव दिवस के अवसर पर सूचना, शिक्षा और संचार वैन को हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ करेंगे। पहले यह यात्रा झारखंड के खूंटी जिले से आदिवासी जिलों के लिए शुरू होने वाली थी। देश भर के शेष जिलों को 22 नवंबर से 25 जनवरी 2024 के बीच कवर करने की योजना थी।

ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका, बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को ईडी ने किया गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को एक झटका लगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राशन वितरण में कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में पश्चिम बंगाल के वन मंत्री और पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को 20 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें शुक्रवार सुबह करीब 3.23 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी से पहले मलिक ने कहा था, मैं एक गंभीर साजिश का शिकार हूं। मैं यही कह सकता हूं।

आपको बता दें कि ईडी के अधिकारियों ने कई करोड़ रुपए के कथित राशन वितरण घोटाले के संबंध में जारी जांच के सिलसिले में मलिक के परिसरों पर गुरुवार को तड़के छापेमारी शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में स्थित राज्य के वन मंत्री मलिक के दो फ्लैट पर केंद्रीय बलों की एक टीम के सहयोग से छापा मारा। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने छापेमारी की इस कार्रवाई को लेकर कहा कि यह बदले की राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है।

अधिकारी ने बताया कि मलिक के पूर्व निजी सहायक के मकानों सहित आठ अन्य फ्लैट पर भी छापेमारी की कार्रवाई जारी है। प्रवर्तन निदेशालय

के अधिकारी ने कहा, मलिक के आवासों पर आठ अधिकारी छापे मार रहे हैं। हम उनके पूर्व निजी सहायक के दमदम स्थित आवास और कुछ अन्य स्थानों पर भी तलाशी ले रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है, जिसके सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मलिक के साथ कथित तौर पर करीबी संबंध हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के साथ संबंध को लेकर मलिक से पूछताछ की जा रही है और मंत्री के बैंक खातों की भी जांच की जा रही है।

तृणमूल नेता और राज्य की मंत्री शशि पांजा ने मलिक के आवासों पर छापेमारी की आलोचना करते हुए कहा, यह विजय दशमी के अवसर पर बंगाल की संस्कृति पर हमला है। यह बदले की राजनीति के अलावा और कुछ नहीं है। हमने देखा है कि दुर्गा पूजा से पहले हमारे नेताओं के परिसरों पर उस समय छापे मारे गए थे, जब हम (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत) निधि जारी किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। पांजा ने कहा, हम ऐसे तलाशी अभियानों से हैरान नहीं हैं क्योंकि उन्होंने (केंद्रीय एजेंसी ने निशाना बनाने के लिए) कुछ लोगों की पहचान की है... और यह जारी रहेगा।

दूसरी ओर, भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस भ्रष्टाचार में गहरे तक डूबी हुई है। सिन्हा ने कहा कि तृणमूल के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा, जब भी ईडी या सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) तृणमूल नेताओं के आवासों पर छापे मारती है, तो वे इसे गलत और इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताते हैं। हकीकत तो यह है...तृणमूल के लगभग हर नेता पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने हाल में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रथिन घोष और शहरी विकास मंत्री फिरहाद हाकिम के आवासों सहित राज्य में विभिन्न स्थानों पर छापा मारा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अमेरिका पर दाग

अमेरिका में घृणा-जनित संस्कृति का फिर दुखद और शर्मनाक इजहार हुआ है। अमेरिका में एक हत्यारे ने गोलियां बरसाकर करीब 20 लोगों को मौत की नींद सुला दिया और कई को जख्मी कर दिया। बताते हैं कि तीन जगहों पर गोलीबारी करने के बाद हत्यारा घटनास्थल से निकल भागा। पुलिस उसे खोजने में लग गई और लोगों को घर के अंदर ही रहने की हिदायत जारी करनी पड़ी। अमेरिकी पुलिस इतनी लाचार हो गई कि उसे सहयोग के लिए आम लोगों से अपील करनी पड़ी। दरअसल, बंदूक की संस्कृति अमेरिका की एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कोई भी सामान्य सा दिखने वाला आदमी हथियार लेकर आता है और अनेक लोगों की जान ले लेता है। अमेरिका के मेन राज्य के लेविस्टन में हुए हादसे का सबसे खराब पहलू यह है कि अनेक लोगों को भगदड़ की वजह से चोट लगी है। नरसंहार के कथित आरोपी 40 वर्षीय रॉबर्ट कार्ड को पुलिस ने हथियारबंद और खतरनाक व्यक्ति माना है, पर सवाल है कि क्या वह रातों-रात खतरनाक हुआ है? सूचना के अनुसार, हत्यारा रॉबर्ट कार्ड अमेरिकी सेना से जुड़ा है और आग्नेयास्त्र प्रशिक्षक है। उसके खिलाफ पहले भी कुछ शिकायतें मिली थीं। उसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी थी। क्या उसे गंभीरता से न लेते हुए नरसंहार का मौका दिया गया है? इस नरसंहार ने अमेरिका को फिर झकझोर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मेन राज्य के राज्यपाल को हरसंभव संघीय मदद का आश्वासन दिया है। वाकई, अब समय आ गया है, जब अपने राज्यों के साथ मिलकर बाइडन सरकार को देश में बढ़ती घृणा का उपाय खोजना होगा। कुछ ही दिनों पहले अमेरिका में अपराध के आंकड़े जारी हुए थे और हल्की खुशी महसूस की गई थी, मगर ताजा घटना ने उस खुशी को छीन लिया। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, अमेरिका में हत्या के मामलों में 2021 की तुलना में 2022 में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी। यह भी उम्मीद जताई गई थी कि चालू वर्ष में हिंसा में और कमी होगी, पर अमेरिका आज समीक्षा के लिए मजबूर है। कोरोना के पहले वर्ष 2020 में अमेरिका में हिंसा कम हुई थी, मगर उसके मुकाबले साल 2022 में हिंसा में 25 प्रतिशत की बढ़त ने एजेंसियों को चिंता में डाल दिया है। दरअसल, अमेरिका अपने यहां नफरत रोकने के अभियान में नाकाम हो रहा है। एफबीआई की वार्षिक अपराध रिपोर्ट रेखांकित करती है कि बंदूक हिंसा बहुत व्यापक हो गई है। पिछले साल अमेरिका में लगभग पांच लाख हिंसक अपराधों में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। वर्ष 2020 में बंदूक हिंसा अमेरिकी बच्चों की मौत का मुख्य कारण बन गई और 2022 में हालात और बदतर हो गए। जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या 12 प्रतिशत बढ़ गई। अमेरिका घृणा और बंदूक हिंसा के गढ़ के रूप में पहचान बना रहा है। किसी सिख या किसी मुस्लिम बच्चे की हत्या हो या किसी अश्वेत पर बर्बरता, अमेरिका की स्थिति निंदनीय होती जा रही है। वहां समाज के साथ ही, सरकारों को भी हिंसा की संस्कृति के अंत के लिए गंभीर प्रयास करने पड़ेंगे। अमेरिका को अपनी बिगड़ती छवि के प्रति सजग होना चाहिए। जहां दुनिया अमेरिकी संस्कृति का अनुसरण करती है, वहीं अमेरिका तमाम देशों की सामाजिक व मानवाधिकार रिपोर्ट जारी करता है। अमेरिका अगर अपनी कथनी-करनी का भेद मिटाने की ओर बढ़े, तो उसके साथ-साथ दुनिया को ज्यादा फायदा होगा।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

मोदी के सपनों को साकार करता हरियाणा

मनोहर लाल

हरियाणा में हमारी सरकार के नौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। नौ वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब हरियाणा की जिम्मेदारी मुझे सौंपी थी, राज्य की स्थिति ऐसी थी कि उन परिस्थितियों और सिस्टम के बीच रहकर प्रदेश को नए सिरे से विकास के मार्ग पर लाना दुष्कर था। तबादलों से लेकर सीएलयू तक सब कुछ अनियमितताओं के घेरे में था। मुझे लगा कि ईमानदार दृष्टिकोण के साथ व्यवस्था परिवर्तन एक महत्वपूर्ण कार्य है। नौकरियां नहीं थीं, यदि थीं तो बिना ईमानदारी से उन्हें पाना मुश्किल था। भ्रष्टाचार का बोलबाला था। समाज जातियों में बंटा था। प्रदेश के संसाधनों का मनमाना एवं पक्षपातपूर्ण उपयोग, तर्कहीन आवंटन और दूषित पूंजीवाद जैसी नीतियों पर चलकर प्रदेश को प्रगति के पथ पर नहीं लाया जा सकता था। प्रदेश की जनता में सरकारी तंत्र और राजनीतिक दलों के प्रति आक्रोश था। अर्थव्यवस्था बेहाल थी, सामाजिक कुरीतियों का बोलबाला था। प्रदेश ही नहीं पूरे देश को भोजन कराने वाला किसान आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर था। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद मुझे अहसास हो गया था कि इन कुरीतियों को दूर किये बिना राज्य का भला नहीं होगा। हालात से स्पष्ट था कि हमें नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। मैं प्रारंभ से ही टेक्नोलॉजी से काफी नजदीकी से जुड़ा रहा। इसलिए लगा कि इससे होने वाले फायदे से एक नए हरियाणा का निर्माण संभव है। वर्ष 2014 में सरकार बनाने पर महसूस किया कि हरियाणा के इस बेदम सिस्टम को बदलने में वक्त लगेगा। जनता ने हमें चुना था तेज वृद्धि, संतुलित क्षेत्रीय विकास और सुशासन के लिए। इसलिए हम शुरू से ही जाति, नस्ल, क्षेत्र या पंथ और संप्रदाय के आधार पर भेदभाव के बिना समाज के सभी वर्गों को एक संगठित इकाई मानकर विकास एवं समृद्धि के समान अवसर उपलब्ध कराने की नीति पर चले। नौ वर्ष के अथक प्रयास के बाद आज यह संतोष है कि प्रदेश उस पथ पर आकर खड़ा हो गया है, जहां से अब पुराने सिस्टम तक लौटना असंभव है। सामाजिक स्तर पर समाज को एक करने के लिए आवश्यक था कि ऐसे कदम उठाये जाएं जिनसे लोगों के भीतर आत्मसम्मान की भावना जाग्रत हो ताकि वे अपने स्तर पर प्रदेश के विकास में योगदान दे पाएं। जाति के सार्वजनिक होने का मतलब ही है कि आत्मविश्वास का टूटना। इसलिए हमारी सरकार ने हरियाणा एक, हरियाणवी एक की नीति पर चलने का निर्णय लिया। ऐसे विकल्प चुने गए, जिनसे नागरिकों को सरकार से मिलने वाले किसी भी लाभ के लिए अपनी हैसियत को सार्वजनिक न करना पड़े। इसमें सबसे बड़ी भूमिका निभायी हमारी फ्लैगशिप स्कीम परिवार पहचान पत्र ने। इसके तहत प्रदेश के सभी निवासियों का पूर्ण विवरण एकत्रित किया जा रहा है। एक बार इस स्कीम में दर्ज हो जाने के बाद प्रदेशवासियों को किसी भी विभाग में कोई भी दस्तावेज जमा करने के झंझट से छुटकारा मिल गया है। अब तक प्रदेश के 70 लाख से अधिक परिवारों के 2.81 करोड़ से अधिक सदस्यों को पीपीपी में पंजीकृत किया जा चुका है। इसका अर्थ यह हुआ कि हरियाणा के 96 प्रतिशत से अधिक परिवारों के पास पीपीपी आईडी हो गई है। हमारी सरकार से पूर्व प्रदेश में रहने वाले समाज के सबसे निचले तबके के निवासी, दलित-पिछड़े और वंचित वर्ग के लोग सर्वाधिक मुश्किल जीवन यापन कर रहे थे। इस वर्ग को समाज की मुख्यधारा में लाये बिना प्रदेश के विकास का कोई औचित्य नहीं था। अंत्योदय की भावना मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। राजनीतिक जीवन से पूर्व समाज सेवा के दौर से ही मैं अंत्योदय की भावना से काम करता रहा हूं। इसलिए मैंने तय कर लिया था कि प्रदेश में गरीब, पिछड़ों, दलितों और शोषितों को सम्मानित जीवन देना हमारी सरकार का मुख्य ध्येय होगा। हमने बीपीएल परिवारों की न्यूनतम वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक प्रतिवर्ष तय की, ताकि इसका लाभ अधिक से अधिक गरीबों तक पहुंचे। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बना। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत हमारा लक्ष्य प्रदेश के 1 लाख अति गरीब परिवारों की आय को बढ़ाने का है। इस दिशा में पहले 4 चरणों में आयोजित अंत्योदय मेलों में लगभग 50 हजार परिवारों को बैंकों के माध्यम से ऋण दिए गए। प्रदेश की महिलाओं की स्थिति भी नौ वर्ष पूर्व बेहद विकट थी। कन्या भ्रूण हत्या, लड़कियों को शिक्षा से वंचित रखना, परिवार में उनकी दूसरे दर्जे की स्थिति और रोजगार में उनकी नगण्य भागीदारी जैसी कुरीतियां व्याप्त थीं। हमने कुरीतियों को दूर करने की चुनौती को स्वीकारा। प्रधानमंत्री के आह्वान पर प्रदेश में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाया। सार्थक परिणाम सामने आये। आज प्रदेश में लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। लिंगानुपात भी वर्ष 2014 के 871 से छलांग लगाकर सितंबर, 2023 में 932 हो गया है। समाज में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर रोकथाम के सख्त उपाय किये गये हैं। ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए 16 फास्टट्रैक अदालतें गठित हुईं और 12 वर्ष तक की बच्चियों के साथ रेप के मामले में फांसी की सजा का प्रावधान किया। किसी भी देश-प्रदेश के विकास में युवा आबादी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। हमारी सरकार आने से पहले प्रदेश में नौकरियों को लेकर एक खास व्यवस्था थी। माना जाता था कि 'बिन पर्ची, बिन खर्ची' कोई काम संभव नहीं है। हमने इन स्थितियों में सुधार हेतु भी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया। आज नौकरियों के लिए आवेदन से लेकर चयन तक की प्रक्रिया को ऑनलाइन बनाकर उसे पूरी तरह पारदर्शी बना दिया है। ग्रुप डी सहित सभी समूहों के लिए लिखित परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय लिया। ग्रुप सी और डी पदों के लिए साक्षात्कार रोक दिए गए ,जहां पहले परिणामों में हेरफेर किया जाता था। कॉमन पात्रता परीक्षा की शुरुआत की ताकि युवाओं को नौकरी के लिए न तो बार-बार आवेदन करना पड़े और न ही उसके लिए हर बार फीस देने की नौबत आए। उल्लेखनीय है कि ग्रुप सी के लिए अब तक 11 लाख युवा परीक्षा में बैठ चुके हैं। ग्रुप डी की परीक्षा 22 अक्तूबर को संपन्न हुई, जिसमें 8.51 लाख उम्मीदवार शामिल हुए। चूंकि सबको नौकरी उपलब्ध कराना अकेले सरकार के लिए संभव नहीं है, इसलिए इस अभियान में निजी क्षेत्र को भी शामिल किया। बेरोजगारों के लिए भत्ते की व्यवस्था की। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप हम हरियाणा के नौजवानों को बेरोजगारी की चोट से बचा पाए हैं। इन कदमों से हरियाणा की बेरोजगारी दर नवीनतम पीएलएफएस जुलाई-सितंबर 2023 के अनुसार 6.5 प्रतिशत तक सीमित हो गई है, जो राजस्थान और पंजाब जैसे हमारे पड़ोसी राज्यों से कम है। वहीं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने हेतु हमारी सरकार ने कड़ी मेहनत की। प्रदेश में असामान्य कानून व्यवस्था के चलते वर्ष 2014 से पूर्व प्रदेश में नया निवेश नहीं आ रहा था। कभी औद्योगिक राज्य कहे जाने वाले हरियाणा में नए उद्योगों का लगना बंद हो गया था। ज्यादातर निवेश गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जाने लगा। जरूरी था कि नया निवेश लाने के अनुकूल माहौल बनाया जाए। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाना जरूरी था। साथ ही टेक्नोलॉजी की मदद से सिस्टम को पारदर्शी बनाया गया ताकि निवेशकों को लालफीताशाही से बचाया जा सके। वहीं दूसरी ओर राज्य में भ्रष्टाचार के छिद्रों को बंद करने से राजस्व की हानि को रोका जा सका है। फलतः प्रदेश में राजस्व में उछाल दिखने लगा है, भले ही यह अर्थव्यवस्था के डिजीटलीकरण का भी असर है। प्रदेश की आर्थिक विकास दर भी सात प्रतिशत के पार चली गई है। प्रति व्यक्ति आय भी वर्ष 2014 के 1.35 लाख रुपये सौ प्रतिशत से अधिक बढ़कर जून, 2023 में 2.96 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। गवर्नेंस सुधारों से आगे की राह आसान दिखने लगी है। किसानों के हित मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। खेती किसानी वाला अग्रणी राज्य होने के नाते मुझे किसानों की हरदम चिंता रहती थी। हमारी सरकार बनने से पूर्व किसानों का हाल बेहाल था। अच्छी उपज के बावजूद उनकी आर्थिक स्थिति बदहाल थी। उन्हें उपज का सही दाम नहीं मिलता था। जो दाम मिलता था उसका भी पूरा पैसा हाथ नहीं आता था। दरअसल,सिस्टम की विसंगतियों की वजह से खेती-किसानी के असल मालिकों तक उसका लाभ नहीं पहुंच पाता था। नतीजा हर साल प्रदेश में किसानों की आत्महत्या जैसी शर्मनाक घटनाओं का सामना करना पड़ता था। इसमें मेरा टेक्नोलॉजी का अनुभव ही काम आया। 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' योजना ने इस स्थिति से उबरने में काफी मदद की है। अब उपज बेचने में किसान को सहूलियत हो गई है। वहीं उसका पैसा सीधे उसके बैंक खाते में ट्रांसफर होने लगा है। आई-फॉर्म के 72 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया गया, ऐसा न करने पर सरकार किसान को ब्याज देती है। अब तक 85 हजार करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। आखिर में मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि हम अपने प्रदेश हरियाणा को एक आदर्श विकसित राज्य की तरफ ले जाना चाहते हैं। इसके लिये हमने जिन योजनाओं की शुरुआत की है उन्हें अन्य राज्य भी खुले दिल से अपनाने लगे हैं। अभी एक नवम्बर को हरियाणा की आयु 57 वर्ष की हो जाएगी। इस अवधि में हरियाणा ने बहुत कुछ झेला है। लेकिन मुझे संतोष है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन से हमने बीते नौ साल में हरियाणा को इस स्थिति पर ला दिया है जहां से उसके पीछे जाने का सवाल नहीं उठता। प्रधानमंत्री के नए भारत के निर्माण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हम नये हरियाणा को विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। आजादी के अमृत काल के समापन पर वर्ष 2047 में हम हरियाणा को देश के एक अग्रणी विकसित राज्य के रूप में देखना चाहते हैं।

लेखक हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं।

किसान को भी रास आयें पराली के समाधान

पंकज चतुर्वेदी

अभी सुबह-शाम की हल्की-सी ठंड है लेकिन दिल्ली और उसके आसपास हवा का ज़हर होना शुरू हो गया है। इस हफ्ते ग्रेप का दूसरा पायदान लागू करने की नौबत आ गई। अकसर इसका ठीकरा पंजाब-हरियाणा के खेतों में जलने वाली पराली पर फोड़ दिया जाता है। जबकि दिल्ली का दम घोटने में सबसे बड़ी भूमिका ट्रैफिक जाम और पूरे शहर में चल रहे निर्माण कार्यों से उड़ रही धूल की है। कारों का सम-विषम नियम, प्रदूषण सोख लेने वाले टॉवर के मामले के बाद पराली खेत में खत्म करने वाले रसायन के विज्ञापन भी खूब छपे लेकिन कुछ बदला नहीं। अभी आश्विन मास चल रहा है, लेकिन स्मोग के प्रकोप से समूचा हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश बेहाल है। अस्पतालों में सांस के मरीजों की संख्या रिकार्ड तोड़ हो गई है। वहीं शरद पूर्णिमा का उजला चांद शायद ही इस बार आकाश में दिख पाए क्योंकि लाख दावों के बाद भी हरियाणा-पंजाब में पराली जलाना शुरू हो चुका है। दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खराब श्रेणी व कुछ इलाकों में बहुत खराब श्रेणी में है। हरियाणा के किसी भी जिले में सांस लेने लायक शुद्ध हवा बची नहीं हैं। सबसे खतरनाक है हवा में सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) की मात्रा बढ़ना जिसमें सांस लेने से हृदय रोग, अस्थमा और जन्म के समय कम वजन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। विदित हो, केंद्र सरकार हर साल पराली जलाने से रोकने के लिए किसानों को मशीनें खरीदने और पराली निपटान संबंधी कार्य के लिए राज्यों को पैसा देती रही है। इस साल भी इस मद में 600 करोड़ का प्रावधान है। विडंबना है कि इन्हीं राज्यों से सबसे अधिक पराली का धुआं उठ रहा है। जाहिर है कि आर्थिक मदद, रासायनिक घोल, मशीनों से पराली के निपटान जैसे प्रयोग किसान को आकर्षित नहीं कर रहे या लाभकारी नहीं हैं। जरूरत किसान की व्यावहारिक दिक्कतें समझकर हल निकालने की है। इस बार बारिश की अनियमितताओं के चलते धान की रोपाई देर से हुई। इसी के चलते पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में धान कटाई में एक -दो सप्ताह देरी हो रही है। किसान को अगली फसल के लिए खेत तैयार करने की जल्दी में है। वह मशीन से पराली निपटान में लगने वाले समय के लिए राजी नहीं और पराली जलाने को ही सरल तरीका मान रहा है। किसान का पक्ष है कि पराली का मशीन से निपटान इसे जलाने के मुकाबले महंगा विकल्प है। फिर अगली फसल के लिए इतना समय होता नहीं कि गीली पराली खेत में पड़ी रहने दें। यूं भी हरियाणा-पंजाब में कानूनन धान की रोपाई 10 जून से पहले नहीं की जा सकती है। भूजल अपव्यय रोकने के लिए यह रोक है। धान फसल तैयार होने में करीब 140 दिन लगते हैं फिर काटने के बाद गेहूं बुआई के लिए किसान के पास इतना समय होता नहीं कि वह पराली निपटान कानून मुताबिक करे। जब तक हरियाणा-पंजाब में धान का रकबा कम नहीं होता, या खेतों में बरसाती पानी सहेजने को तालाब नहीं बनते और उस जल से धान रोपाई 15 मई से करने की अनुमति नहीं मिलती; पराली संकट से निजात संभव नहीं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रापिकल मेट्रोलोजी, उत्कल यूनिवर्सिटी, नेशनल एटमोस्फियर रिसर्च लेब के वैज्ञानिकों के संयुक्त समूह द्वारा जारी रिपोर्ट बताती है कि यदि खरीफ बुवाई एक माह पहले कर ली जाए तो राजधानी को पराली के धुएं से बचाया जा सकता है। यदि एक माह पहले किसान पराली जलाते भी हैं तो हवा तेज चलने के कारण घुटन के हालत नहीं होते व हवा में धुआं बह जाता है। यदि पराली का जलना अक्तूबर-नवंबर के बजाय सितंबर में हो तो स्मॉग बनेगा ही नहीं। ज्यादातर किसान पराली निपटान की मशीनों पर सब्सिडी योजना को कारगर नहीं मानते हैं क्योंकि पराली निपटान मशीन खुले बाजार में सस्ती है जबकि सब्सिडी पर वही मशीन महंगी मिलती है। जाहिर है सब्सिडी बेमानी है। पंजाब और हरियाणा में पराली निपटान मशीनों के कस्टम हाइरिंग केंद्र भी खोले हैं जहां ये मशीनें वाजिब किराए पर मिलती हैं। इन मशीनों का किराया प्रति एकड़ 5,800 से 6,000 रुपये तक बढ़ जाता है जबकि पराली जलाने पर जुर्माना 2,500 रुपये ही लगता है। दरअसल, पराली जलाना रोकने की जो योजनाएं बनीं, वे कागजों-विज्ञापनों में तो लुभावनी हैं, लेकिन खेत में कारगर नहीं। जरूरत है, किसानों के साथ मिलकर व्यावहारिक पहलुओं को समझ इस समस्या के निराकरण के स्थानीय उपाय तलाशे जायें।

विचार मंथन

टिकिट वितरण के बाद राजनीतिक दलों की बगावत

(लेखक-सनत जैन)

राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जो चुनाव लड़ने की इच्छुक होते हैं। वह अपने विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय होते हैं। लाखों-करोड़ों रुपए खर्च भी करते हैं, एक सक्रिय कार्यकर्ता की तरह वह अपने क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बनाने के लिए लड़ाई लड़ते हैं। जब उन्हें अपने ही राजनीतिक दल से भरोसा देने के बाद भी टिकट नहीं मिलती है, तो उनका गुस्सा स्वाभाविक होता है। टिकट नहीं मिलने पर वह बगावत की ओर अग्रसर होते हैं। इस बगावत को रोकने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा पिछले कई वर्षों में कई तरह के हथकंडे अपनाए गए। जिसमें मतदाताओं के बीच सर्वे कराना, विधायक और पर्यवेक्षक भेज कर योग्य उम्मीदवार की खोज करना, प्रदेश कोर कमेटी द्वारा अपने स्तर पर जानकारी एकत्रित करना, जिला और ब्लॉक स्तर पर रायशुमारी कराना, प्रदेश स्तर पर स्क्रीनिंग कर नाम को शॉर्ट लिस्ट करना, उसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा उम्मीदवारी के संबंध में अंतिम निर्णय करना, यह फार्मूला लगभग-लगभग सभी राजनीतिक दल अपनाते हैं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता यह समझ चुके हैं, कि यह सब उन्हें बरगलाने के लिए किया जाता है। राजनीतिक दल, कार्यकर्ताओं और टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों के द्वारा भीड़ को जुटाने का काम करवाते हैं। उम्मीदवारी के इच्छुक नेताओं से लाखों रुपए खर्च कराते हैं। क्षेत्र में भंडारा, धार्मिक आयोजन एवं अन्य आयोजनों में लाखों रूपये खर्च कराने के बाद टिकट नहीं मिलती है। कई कार्यकर्ताओं की जमीने बिक जाती है। उसके बाद जिन्हें टिकट देना है उन्हें टिकट दे दी जाती है। सर्वे और अन्य स्क्रीनिंग कमेटी का आधार बनाकर नेता एक-दूसरे के उपर पल्ला झाड़तें हैं। अब कार्यकर्ता भी कहने लगे हैं कि पैसे लेकर टिकट बांट दी जाती है। उन्हीं लोगों की टिकट मिल जाते हैं। जिनके पास बहुत पैसा होता है। टिकट उन्हीं को मिलती है जो पार्टी फंड में या नेताओं को उपकृत करने में समर्थ होते हैं। ऐसी स्थिति में टिकट वितरण के बाद सभी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, जो चुनाव जीतने के लिए लगातार मेहनत कर रहे होते हैं। जिन्होंने अपने क्षेत्र में मतदाताओं के बीच में जाकर काम किया होता है। वह नाराज होकर निर्दलीय या अन्य पार्टी में जाकर चुनाव लड़ने की कोशिश करते हैं। इसमें राजनीतिक दलों को दो नुकसान हो रहे हैं। जिस कार्यकर्ता ने अपने क्षेत्र में लगातार काम किया, वह यदि चुनाव के समय दूसरी पार्टी में चना जाता है। तो राजनीतिक दल को बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। बगावत करने वाला नेता भले चुनाव न जीत पाए। लेकिन चुनाव हराने की बड़ी भूमिका में आ जाता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और इसके पहले हुए कर्नाटक के विधानसभा चुनाव ने भारतीय जनता पार्टी जैसी कैडर वेस पार्टी को भी चिंता में डाल दिया है। अभी तक भारतीय जनता पार्टी में बगावत बहुत कम होती थी, या नहीं होती थी। लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी में भी बड़ी संख्या में बगावती सामने आ रहे हैं। जिसके कारण पार्टी को कई सीटों पर नुकसान उठाना तय है। राजनीतिक दलों में असंतोष का सबसे बड़ा एक कारण यह भी है, कि जो बड़ा नेता पार्टी के महत्वपूर्ण पद या महत्वपूर्ण हैसियत में होता है। वह अपने समर्थकों, रिश्तेदारों या अपने ही परिवार के सदस्यों को टिकट दिलाने की कोशिश करता है। जिसके कारण सामान्य कार्यकर्ता की उपेक्षा सभी राजनीतिक दलों में हो रही है। जो बगावत का मुख्य कारण बन गया है। उम्मीदवारों को शॉर्ट लिस्ट करने के लिए जो फार्मूला अपनाया जाता था, वह पूरी तरीके से अब फेल हो गया है। राजनीतिक दलों के समीकरण भी तेजी के साथ बदल रहे हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए अब ऐसा लगता है, कि राजनीतिक दलों को टिकट बांटने के अपने पुराने फार्मूले के स्थान पर नया फार्मूला खोजना पड़ेगा जिसके कारण पार्टी में बगावत न हो और ऐन चुनाव के समय कोई नुकसान ना उठाना पड़े।

सभी राजनैतिक दलों के क्षेत्रीय छत्रपों का कद काफी बढ़ बया है। जिसके कारण क्षेत्रीय छत्रप जिसे चाहते है, उन्हें टिकट देते है। भाजपा में कर्नाटक, म.प्र. एवं राजस्थान में यही स्थिति अंतिम समय में बनी। जिसके कारण बगावत भी सबसे ज्यादा उक्त राज्यों में हुई है।

पीटीसी इंडिया पीटीसी एनर्जी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली। बिजली कारोबार के लिए समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी पीटीसी इंडिया ने कहा कि वह अपनी सहायक इकाई पीटीसी एनर्जी में अपनी 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी 2,021 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर सरकारी उपक्रम ओएनजीसी को बेच सकती है। पीटीसी इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि ओएनजीसी ने पीटीसी एनर्जी लिमिटेड में पीटीसी की 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए 925 करोड़ रुपये की नकद बोली लगाई। कंपनी ने कहा कि यह रकम 2,021 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य (बकाया ऋण और इक्विटी मूल्य का योग) से मेल खाती है। कंपनी ने पीटीसी एनर्जी में 100 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी बेचने के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं। ओएनजीसी 925 करोड़ रुपये की नकद बोली के साथ सफल बोलीदाता के रूप में उभरी।

घरेलू खपत बढ़ने से नायरा एनर्जी का निर्यात 22 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने कहा कि घरेलू खपत बढ़ने के कारण 2023 के पहले नौ महीनों में उसके पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात में 22 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार नायरा ने जनवरी-सितंबर 2023 के बीच विमान ईंधन, डीजल और पेट्रोल सहित 45.7 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया, जबकि जनवरी-सितंबर 2022 में 58.8 लाख टन का निर्यात किया था। गिरावट का प्रमुख कारण घरेलू खपत का अधिक होना है। वहीं जनवरी-सितंबर 2023 के बीच नायरा ने यूरोप को पेट्रोल और डीजल की कोई आपूर्ति नहीं की। नायरा एनर्जी गुजरात के वाडिनार में प्रति वर्ष दो करोड़ टन का उत्पादन करने वाली तेल रिफाइनरी और 6,450 से अधिक पेट्रोल पंप का नेटवर्क संचालित करती है। कंपनी संस्थागत व्यवसाय अन्य तेल कंपनियों को बिक्री और अपनी खुदरा श्रृंखला के जरिए घरेलू बाजार में सेवाएं दे रही है।

मैं एक्स को लोगों के लिए फाइनेंशियल लाइफ का सेंटर बनाऊंगा : मस्क

सैन फ्रांसिस्को। एलन मस्क ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि उन्हें लगभग एक साल तक बैंक अकाउंट की जरुरत नहीं होगी, क्योंकि एक्स लोगों के फाइनेंशियल लाइफ का सेंटर बन जाएगा, जो पैसे से संबंधित हर चीज को संभालेगा। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार देर रात सीईओ लिंडा याकारिनो के साथ कर्मचारियों के साथ मीटिंग में उन्होंने कहा कि लोग आश्चर्यचकित होंगे कि यह कितना पावरफुल है। उन्होंने कर्मचारियों से कहा, जब मैं पेमेंट्स की बात करता हूं, तो वास्तव में मेरा मतलब किसी के पूरे फाइनेंशियल लाइफ से है। इसमें पैसा शामिल है। यह हमारे प्लेटफॉर्म पर होगा। मनी या सिक्योरिटीज या कुछ भी, यह सिर्फ माय फ्रेंड को 20 डॉलर भेजने जैसा नहीं है। मैं बात कर रहा हूं कि आपको बैंक अकाउंट की जरुरत नहीं होगी। लिंडा ने कहा कि 2024 में यह एक पूर्ण अवसर बन सकता है। मस्क ने कहा, अगर हमने इसे अगले साल के अंत तक लागू नहीं किया तो यह मेरे दिमाग को चकरा देगा।एक्स डॉट कॉम का ओरिजनल प्लान स्पष्ट रूप से मस्क के दिमाग में था। मस्क ने आंतरिक एक्स कॉल पर कहा, एक्स/पेपैल प्रोडक्ट रोडमैप वास्तव में मेरे और डेविड सैक्स द्वारा जुलाई 2000 में लिखा गया था।

दिल्ली-एनसीआर में प्याज 50-80 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

दिल्ली-एनसीआर के मार्केट में प्याज की कीमत में तेजी देखी गई है। प्याज महंगा होने से लोग परेशान होते दिखाई दे रहे हैं। पिछले सप्ताह प्याज की कीमत 35 से 40 रुपये प्रति किलो पहुंच गई थी। वहीं अब दिल्ली-एनसीआर में इसकी कीमतें 50-80 रुपये किलो हो गई हैं। नवरात्रि सप्ताह के आखिर तक दिल्ली और नोएडा में ग्राहकों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि को दाम बढ़ने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। नोएडा के एक व्यापारी ने बताया कि मैंने पिछले हफ्ते 40 रुपये प्रति किलो प्याज खरीदा था। लेकिन अब मैंने इसे 80 रुपये प्रति किलो के हिसाब से खरीदा है। पूर्वी दिल्ली के योजना विहार के एक निवासी ने कहा कि उनके इलाके में प्याज 60 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि शकरपुर निवासी ने कहा कि उन्होंने 80 रुपये किलो प्याज खरीदा है। गगन विहार के एक निवासी ने बताया कि उन्होंने रिलायंस स्टोर से 56 रुपये प्रति किलो प्याज खरीदा। उन्होंने बतायाकि हालांकि स्थानीय विक्रेता उनके इलाके में लगभग 80 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से प्याज बेच रहे हैं। गाजियाबाद के एक

निवासी ने बताया कि उन्होंने अपने घर के पास मदर डेयरी से 65 रुपये प्रति किलो के हिसाब से प्याज खरीदा।

दिल्ली भर में सफल स्टोर्स में प्याज गुणवत्ता के आधार पर 56 रुपये प्रति किलोग्राम तक बेचा जा रहा है।

खुदरा विक्रेता कीमत बढ़ाने के लिए स्थानीय मंडियों में महंगाई और नवरात्रि के बाद बढ़ी मांग को जिम्मेदार बता रहे हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया दो पैसे नीचे आकर 83.25 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख और वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपये में तीन दिन से जारी गिरावट अंत में शुक्रवार को थम गई और शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ 83.23 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी कोषों की निकासी का भारतीय मुद्रा पर असर जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.24 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद 83.23 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में दो पैसे की बढ़त है। वहीं गत दिवस गुरुवार को रुपया 83.23 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 106.57 पर रहा।

माइक्रोसॉफ्ट की पूर्व कार्यकारी पैगी जॉनसन ने मैजिक लीप के सीईओ का छोड़ा पद

सैन फ्रांसिस्को। माइक्रोसॉफ्ट की पूर्व कार्यकारी पैगी जॉनसन ने ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) हार्डवेयर कंपनी मैजिक लीप के सीईओ का पद छोड़ दिया है। वह इस पद पर तीन साल रहीं। मैजिक लीप ने उनकी जगह रॉस रोसेनबर्ग की नियुक्ति की घोषणा की है, जो 1 नवंबर से प्रभावी होगी। रोसेनबर्ग ने कहा, मैं मैजिक लीप में वर्ल्ड क्लास टीम के साथ काम शुरू करने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हूं और कंपनी के विकास के महत्वपूर्ण चरण के माध्यम से मार्गदर्शन करने में उनके नेतृत्व के लिए पैगी को धन्यवाद देना चाहता हूं। जॉनसन जुलाई 2020 में माइक्रोसॉफ्ट से मैजिक लीप में शामिल हुईं, जहां वह बिजनेस डेवलपमेंट की कार्यकारी उपाध्यक्ष थीं।उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट और चिप दिग्गज क्वालकॉम में प्रौद्योगिकी और व्यवसाय के उच्चतम स्तर पर 30 साल के करियर के बाद अगस्त में सीईओ के रूप में पद संभाला। मैजिक लीप में अपने समय में, जॉनसन ने कंपनी को सफलता के अगले चरण के लिए तैयार किया, जिसमें कंपनी को स्थिर करना, मैजिक लीप 2 लॉन्च करना और मैजिक लीप को एंटरप्राइज एआर में टेक्नोलॉजी लीडर के रूप में स्थापित करना शामिल था। मैजिक लीप ने एनवीडिया, एएमडी और सिस्को सहित प्रौद्योगिकी के कुछ सबसे बड़े प्लेयर्स के साथ सहयोग किया, साथ ही बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ लाइसेंसिंग और कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग एग्रीमेंट भी हासिल किए। जॉनसन ने कहा, मैजिक लीप में मैंने जो करने का लक्ष्य रखा था, उसमें से बहुत कुछ पूरा करने के बाद, मुझे लगा कि एक नए सीईओ को नेतृत्व सौंपने का समय आ गया है, जो कंपनी को विकास के अगले चरण में मार्गदर्शन कर सके। मुझे मैजिक लीप में बनाई गई नेतृत्व टीम पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है और कंपनी को उद्यम बाजार में सफलतापूर्वक पुनः स्थापित करने में मदद करने के लिए सभी कर्मचारियों को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 635 , निफ्टी 202 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले छह दिनों से जारी गिरावट रुक गयी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज व्यापक बाजारों में भी बढ़त दर्ज की गयी। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी एक फीसदी की तेजी आई।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 634.65 अंक करीब 1.01 फीसदी ऊपर आकर 63,782.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,913.13 तक ऊपर जाने के बाद 63,393.37 तक गिरा।

दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 202.45 अंक तकरीबन 1.07 फीसदी उछलकर बंद हुआ। निफ्टी अंत में 19,059.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,076.15 तक ऊपर जाने के बाद 18,926.65 तक फिसला। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 26 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, एसबीआई, टाटा मोटर्स और एनटीपीसी के शेयर लाभ के साथ ही उछले। सबसे ज्यादा लाभ एक्सिस बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.07 फीसदी बढ़े हैं। इसके अलावा अदाणी एंटरप्राइजेज, कोल इंडिया, आयशर मोटर्स, बजाज ऑटो, ओएनजीसी, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, सिप्ला, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एलएंडटी के शेयरों में 1.5 फीसदी से 3 फीसदी की बढ़त रही। दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में केवल 4 शेयर एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और टाटा स्टील ही नुकसान के साथ नीचे आये। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में सुधार के बीच ही बाजारों ने शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ शुरुआत की। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 411.17 अंक उछलकर 63,559.32 पर पहुंच गया। निफ्टी 115.9 अंक चढ़कर 18,973.15 पर रहा। वहीं घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बिकवाली के दबाव में बेहाल दिखा। वहीं गत दिवस कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण लगातार छठे दिन बाजार लाल निशान पर बंद हुआ।

भारत में 2019-2022 तक साइबर सुरक्षा नौकरी पोस्टिंग में 81 प्रतिशत की वृद्धि : रिपोर्ट

बेंगलुरु।

भारत में 2019 से 2022 तक साइबर सिक्योरिटी के लिए जॉब पोस्टिंग में 81 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। दरअसल, कोविड-19 महामारी के मद्देनजर कई खतरे सामने आए। जॉब पोर्टल इनडीड की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन सालों में, साइबर सिक्योरिटी जॉब्स ने अपने ग्रोथ ट्रेजेक्टरी में स्थिरता दिखाई है। हालांकि, सितंबर 2022 से इस साल सितंबर तक जॉब पोस्टिंग में 25.7 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो सख्त नियमों, फ्रेमवर्क और नियंत्रणों का संकेत है। यह बदलाव नौकरी चाहने वालों की रुचि में प्रतिबिंबित नहीं हुआ, क्योंकि इसी अवधि के दौरान नौकरी क्लिक में 6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो साइबर सिक्योरिटीमें निरंतर रुचि को उजागर करती है। इनडीड इंडिया के सेल्स हेड शशि कुमार ने कहा, नौकरी पोस्टिंग में मौजूदा गिरावट एक क्षणिक चरण है, और यह उद्योग की अनुकूलन और विकास की क्षमता को उजागर करता है। साइबर सुरक्षा क्षेत्र तकनीकी प्रगति की आधारशिला बना हुआ है। हमारा डेटा इस बात को भी पुष्ट करता है कि भविष्य में जबरदस्त संभावनाएं हैं। सितंबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच, 29.9 प्रतिशत टैलेंट मिसमैच देखा गया है, जो साइबर सिक्योरिटी सेक्टर में नियोक्ताओं द्वारा मांगे गए स्किल सेट में बदलाव का संकेत देता है। टर्म टैलेंट मिसमैच नियोक्ताओं द्वारा वर्तमान में जरूरी स्किल्स और उपलब्ध वर्कफोर्स के स्किल सेट के बीच अंतर को दर्शाता है। बेंगलुरु 23.11 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत के साइबर सिक्योरिटी जॉब मार्केट में अग्रणी है, जो देश के प्राइमरी आईटी हब के रूप में इसकी स्थिति से प्रेरित है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, इस प्रभुत्व को शहर के घने टेक लैंडस्केप के लिए भी जिम्मेदार

ठहराया जा सकता है, जिसमें कई आईटी फर्म और स्टार्टअप हैं, जिससे साइबर खतरों और हमलों की संभावना बढ़ रही है। आईटी इंडस्ट्री की नैसकॉम के अनुसार, भारतीय साइबर सिक्योरिटी मार्केट 2025 तक बढ़कर 35 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे 1 मिलियन से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मैकलियोड रसेल अपनी वियतनामी चाय इकाई बेचेगी

कोलकाता ।

थोक चाय का उत्पादन करने वाली मैकलियोड रसेल इंडिया लिमिटेड ने कहा कि कंपनी अपनी वियतनाम इकाई फुबेन टी कंपनी लिमिटेड (पीबीटीसीएल) को 21.5 लाख डॉलर में बेचने की योजना बना रही है। कंपनी इस विदेशी इकाई को टीएलके एग्रीकल्चर ज्वाइंट स्टॉक कंपनी (टीएलके) को विक्रय करेगी। मैकलियोड रसेल ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि यह सौदा 24 दिसंबर, 2023 तक पूरा हो सकता है। कंपनी ने कहा कि उसके पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी बोरेली टी होल्डिंग्स लिमिटेड पीबीटीसीएल में अपने पूंजी योगदान का 100 प्रतिशत हिस्सा टीएलके को बेचेगी। कोलकाता मुख्यालय वाली इस कंपनी के मौजूदा समय में भारत में 33 चाय बागान हैं, जिनमें से 31 असम और दो पश्चिम बंगाल के दुआर इलाके में स्थित हैं।

सैमसंग लगातार पांचवें साल भारतीय टीवी बाजार में अग्रणी : ओमडिया डेटा

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार अनुसंधान फर्म ओमडिया के अनुसार सैमसंग ने भारत के टेलीविजन बाजार में अपने नेतृत्व को मजबूत किया है और वह लगातार पांचवें वर्ष शीर्ष रैंकिंग पर पहुंच गया है। आईएएनएस द्वारा देखे गए ओमडिया डेटा के अनुसार सैमसंग ने भारत में 21 प्रतिशत वॉल्यूम मार्केट शेयर के साथ 2022 को समाप्त किया। आंकड़ों से पता चलता है कि दक्षिण कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज ने भी इस साल की पहली छमाही में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 23 प्रतिशत कर ली है।ओमडिया के अनुसार, सैमसंग 55 इंच और उससे ऊपर के प्रीमियम टीवी सेगमेंट में भी अग्रणी है, इसकी बिक्री उद्योग की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। कंपनी ने हाल ही में भारत में अपनी अल्ट्रा-प्रीमियम 2023 नियो क्यूएलईडी टीवी रेंज लॉन्च की है, जिसमें सहज कनेक्टिविटी, उन्नत वैयक्तिकरण और बेहतरीन गेमिंग अनुभव पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कंपनी प्रीमियम सेगमेंट में क्यूएलईडी और ओएलईडी मॉडल भी बेचती है। सैमसंग नियो क्यूएलईडी 4के टीवी, कंपनी के हाई-एंड टेलीविजन के लाइनअप में नवीनतम जोड़ है, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से भरपूर है, जो इसे उपभोक्ताओं के लिए गेमिंग, मूवी देखने और टीवी शो स्ट्रीमिंग के लिए बेहतर बनाता है। 144हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ यह टीवी गेमिंग के लिए भी परफेक्ट है। 1,41,990 रुपये की कीमत से शुरू होने

वाले, नियो क्यूएलईडी 4के टीवी 85, 75, 65, 55 और 50 इंच आकार में आते हैं। सैमसंग की चेन्नई में एक टेलीविजन विनिर्माण इकाई है, जहां कंपनी अपनी मेक इन इंडिया रणनीति के तहत भारतीय बाजार के लिए टेलीविजन का उत्पादन करती है।

5जी नेटवर्क शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश करेगी वोडाफोन आइडिया: कुमार मंगलम बिड़ला

नई दिल्ली।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस में वोडाफोन आइडिया के अतिरिक्त निदेशक कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि वोडाफोन आइडिया 5जी नेटवर्क शुरू करने और भारत में 4जी कवरेज का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश करेगा।रिपोर्ट्स के मुताबिक, वोडाफोन आइडिया ने अभी तक 5जी नेटवर्क को व्यावसायिक रूप से लॉन्च नहीं किया है, जबकि रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसे प्रतिद्वंद्वियों के पास अब देश के अधिकांश हिस्सों में 5जी कवरेज है। बिड़ला ने कहा कि वोडाफोन आइडिया टीम ने पिछले साल 5जी के लिए कोर नेटवर्क तैयार करने के लिए लगन से काम किया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक शोध में कहा कि वोडाफोन आइडिया का शुद्ध कर्ज 2.1 लाख करोड़ रुपये के ऊंचे स्तर पर बना हुआ है। इसमें से, स्पेक्ट्रम और एजीआर ऋण दो लाख करोड़ रुपये (कुल ऋण का 95 प्रतिशत) और बाजार ऋण 7,900 करोड़ रुपये (चार प्रतिशत) है। उसका पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के 450 करोड़ रुपये से बढ़कर 520 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में एयरटेल का वार्षिक नेटवर्क पूंजीगत ठे यय 28,000 करोड़ रुपये और रिलायंस जियो का 40,000 करोड़ रुपये रहा है, जो वीआई से काफी अधिक है। शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर 2024 तक कंपनी का देय ऋण 7,170 करोड़ रुपये है और कुल शुद्ध ऋण 2.1 लाख करोड़ रुपये है। 30 सितंबर 2023 तक, विशिष्ट अनुबंध खंडों की पूर्ति न होने के कारण 31.9 अरब रुपये को एलटी देनदारियों की वर्तमान परिपक्वता के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

बाइक टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो कैब मार्केट में करेगा विस्तार, पायलट प्रोजेक्ट पर कर रहा काम

नई दिल्ली।

उबर और ओला को टक्कर देने के लिए बाइक टैक्सी स्टार्टअप रैपिडो कैब मार्केट में विस्तार कर रहा है। स्टार्टअप ने हैदराबाद में अपनी कैब सर्विस का एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। इस सर्विस को दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु और चंडीगढ़ सहित अन्य शहरों में विस्तारित करने की योजना है। सूत्रों के हवाले से टेकक्रंच के मुताबिक, कंपनी अगले हफ्ते की शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर में रैपिडो कैब लॉन्च करने की योजना बना रही है। रैपिडो के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हम यह बताते रोमांचित हैं कि रैपिडो कैब्स के लिए हैदराबाद में हमारा परीक्षण शानदार शुरुआत के साथ शुरू हुआ है। शहर के वाइब्रेंट मार्केट ने हमें गर्मजोशी से अपनाया है, और पॉजिटिव रिस्पांस वास्तव में उत्साहजनक है। जैसे-जैसे हम अपना रास्ता आगे बढ़ा रहे हैं, हम आपको हमारी प्रगति के बारे में बारीकी से सूचित रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्सुकता से इनोवेटिव सर्विस को अन्य शहरों में लाने का इंतजार कर रहे हैं। हाल तक, रैपिडो कस्टमर्स मोटरबाइक या थ्री-व्हीलर ऑटो रिक्शा पर सवारी करने में सक्षम

रहे हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि रैपिडो अपने ऐप में इंटरसिटी बस टिकट बुकिंग को शामिल करने के लिए गुरुग्राम स्थित ज़िंगबस के साथ सहयोग करना चाहता है। रैपिडो, जिसकी स्थापना 2015 में हुई थी, अब 100 से अधिक शहरों में काम करता है और इसके 25 मिलियन से अधिक ऐप डाउनलोड हैं। इसकी वेबसाइट के अनुसार, बिजनेस के 10 मिलियन से ज्यादा कस्टमर्स हैं और इसने 100 मिलियन से अधिक राइड पूरी की हैं। ट्रैक्सन पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, रैपिडो ने कुल 324 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। पिछले साल अप्रैल में कंपनी ने ऑनलाइन फूड डिलीवरी सर्विस स्विगी के नेतृत्व में 180 मिलियन डॉलर जुटाए थे।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अगस्त अवधि में भारत का आम निर्यात मूल्य 19 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत ने चालू वित्त वर्ष (2023-24) के पहले पांच महीनों में आम के निर्यात के मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, इसमें 47.98 मिलियन डॉलर यानी 19 फीसदी अधिक मूले य का आम निर्यात किया गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में 40.33 मिलियन डॉलर के मूल्य से अधिक। कृषि मंत्रालय और एपीडा के सहयोग से, भारत ने 2022-23 में 48.53 मिलियन डॉलर मूल्य के 22,963.78 मिलियन टन आमों का निर्यात किया, जबकि चालू वर्ष 2023-24 (अप्रैल-अगस्त) में, भारत ने 47.98 मिलियन डॉलर मूल्य के 27,330.02 मिलियन टन आमों का निर्यात किया है।

सीजन 2023 में आम के निर्यात को बढ़ावा देने की अपनी पहल के एक हिस्से के रूप में, कृषि मंत्रालय और एपीडा ने विकिरण सुविधाओं पर आम की पूर्व-निकासी के लिए वाशी, नासिक, बेंगलुरु और अहमदाबाद में संयुक्त राज्य कृषि विभाग (यूएसडीए) के पशु और पादप स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा (एपीएचआईएस) निरीक्षक को आमंत्रित किया था। अमेरिका के अलावा, संबंधित अधिकारियों के निरंतर प्रयासों से, भारत ने जापान को 43.08 मिलियन टन आम, न्यूजीलैंड को 110.99 मिलियन टन आम, ऑस्ट्रेलिया को 58.42 मिलियन टन आम और दक्षिण अफ्रीका को 4.44 मिलियन टन आम निर्यात किया है। इसके अलावा, भारत ने वहां निर्यात के लिए आमों की पूर्व-निकासी के लिए दक्षिण कोरिया से निरीक्षकों को आमंत्रित किया है।

इसने भारत को पादप संरक्षण, संगरोध और भंडारण निदेशालय भारत और पशु और पादप संगरोध एजेंसी दक्षिण कोरिया की संयुक्त देखरेख में अधिकृत वाष्प ताप उपचार सुविधा में उपचारित होने के बाद 18.43 मिलियन टन आम निर्यात करने की अनुमति दी है। ,

विश्वकप में आज होगा बांग्लादेश और नीदरलैंड का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। एकदिवसीय विश्वकप में शनिवार को यहां के ईडन गार्डन मैदान पर नीदरलैंड और बांग्लादेश का मुकाबला होगा। ये दोनो ही टीम सेमीफाइनल में अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिये इस मैच को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। ईडन गार्डन में ये इस बार विश्वकप में पहला मुकाबला है। बांग्लादेश और नीदरलैंड ने अब तक चार में से एक-एक मैच ही जीते हैं। ऐसे में दोनो के ही टूर्नामेंट में आगे जाने की बेहद कम संभावनाएं हैं। बांग्लादेश ने पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को हराया था पर इसके बाद वह हर मैच हारी है।

इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और मेजबान भारत के बाद दक्षिण अफ्रीका ने भी उसे हराया है। बांग्लादेश के परेशानी ये है कि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। कप्तान शाकिब अल हसन का प्रदर्शन भी अबतक बेहद खराब रहा है। विश्व कप की चार पारियों में वह 56 रन ही बना सके हैं जबकि उन्होंने केवल छह विकेट ही लिए हैं। इसके अलावा बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांटो भी असफल रहे है। वहीं तौहीद हृर्दय ने तीन पारियों में सिर्फ 68 रन बनाए हैं। अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह ने 111 रन एक मैच में बनाये थे। लिटन दास ने दो अर्धशतक जमाए हैं। वहीं गेंदबाजी में तसकीन अहमद, शरीफुल इस्लाम, हसन महमूद और मुस्ताफिजूर रहमान को मिलकर बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर नीदरलैंड की टीम ने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका को हराकर उलटफेर किया था पर इसके बाद उसे श्रीलंका और आस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। अब देखना है कि वह बांग्लादेश के गेंदबाजों का किस प्रकार से सामना करती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

नीदरलैंड - स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओडोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामानुरू, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रोलोफ वान डेर मर्व, लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, रेयान क्लेन, वेस्ली बारेसी, साकिब जुल्फिकार , शारिज अहमद और साइब्रांड एंजेलब्रेक्ट।

बांग्लादेश - शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हसन शंटो, तौहीद हृदय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नासुम अहमद, महेदी हसन, तास्किन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शरीफुल इस्लाम और तंजीम हसन साकिब

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन : भारत के सात्विक-चिराग हारे, सिंधु मैच से हटीं

रेनेस (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। सात्विक और चिराग की तीसरी वरीय जोड़ी को पुरुष युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में मोहम्मद अहसान और हेंद्रा सेतियावान की इंडोनेशिया की जोड़ी के हाथों 23-25 21-19 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं भारत की ही बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु महिला एकल मुकाबले से हट गयीं। इससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गयी। सिंधू को थाईलैंड की सुपानिदा केटथोंग के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद घुटने की चोट के कारण दूसरे दौर के मुकाबले के बीच में ही हटना पड़ा।

सिंधु ने पहला गेम 21-18 से जीता। वहीं दूसरे गेम में जब स्कोर 1-1 था तब उन्हें बाएं घुटने में दर्द हुआ। सिंधु ने चोट पर लगाने के साथ ही डॉक्टरी सलाह भी ली पर आराम नहीं मिलने पर उन्हें मैच से हटना पड़ा। सिंधु ने यहां पहले दौर में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग को 12-21 21-18 21-15 से हराया था।

स्मिथ ने बताया अपनी सफलता का रहस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने विश्वकप में अपनी लय हासिल करने के तरीके के बारे में बताया है। स्मिथ शुरुआती चार मैचों में असफल रहे थे पर इसके बाद नीदरलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर लय हासिल की। स्मिथ को वर्तमान दौर के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह ऑस्ट्रेलिया के उन विशेष खिलाड़ियों में से एक हैं जो गति के साथ-साथ स्पिन खेलने में भी समान रूप से माहिर हैं। इसलिए दाएं हाथ के बल्लेबाज से मौजूदा विश्व कप 2023 के दौरान बड़ा प्रभाव डालने की उम्मीद थी जो पहली बार विशेष रूप से भारत में आयोजित किया जा रहा है। हालांकि उनके अभियान की शुरुआत आशाजनक नहीं रही और पहली चार पारियों में केवल 72 रन बनाने के बाद उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ अपनी लय हासिल की। स्मिथ ने कहा कि पारंपरिक लेग-स्टंप गार्ड का उपयोग करने और अपनी पकड़ को नीचे से ऊपर की ओर बदलने से उनकी फॉर्म में वापसी में सहायता मिली।

स्मिथ ने कहा, मैं लेग स्टंप की ओर थोड़ा पीछे चला गया। मेरे हाथ पिछले सप्ताह की तुलना में थोड़े ऊंचे हो गए हैं। किसी कारण से वे थोड़ा नीचे गिर गए हैं। मैंने इसे कल नेट्स में महसूस किया था और सबकुछ फिर से अपनी जगह पर आ गया। इस बल्लेबाज ने कहा कि मुझे लगा कि मैं वास्तव में काफी कठिन सतह पर गेंद को अच्छी तरह से खेलकर वापसी कर रहा हूं और अच्छा खेल रहा हूं और फिर एक हफ्ते के लिए मैं थोड़ा खो गया। इस खिलाड़ी ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले मंगलवार को नेट्स पर बल्लेबाजी करने के बाद उन्हें अच्छा महसूस हुआ। स्मिथ ने कहा कि डच टीम के खिलाफ अपने अर्धशतक के दौरान वह अच्छी स्थिति में आ रहे थे और उम्मीद है कि वह विश्व कप 2023 में आने वाले खेलों में इस प्रदर्शन को जारी रखेंगे।

एशियाई चैम्पियनशिप : राइफल निशानेबाज अर्जुन-तिलोत्तमा को रजत, हासिल किया ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता और तिलोत्तमा सेन ने कोरिया के चांगवोन में चल रही एशियाई चैम्पियनशिप में पुरूषों और महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शुक्रवार को रजत पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया। 24 वर्ष के बाबुता, दिव्यांश सिंह पंवार और हृदय हजारिका ने 1892.4 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। बाबुता ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले भारत के नौवें निशानेबाज बन गए।

महिला और पुरूष वर्ग में पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने वाले वह छठे राइफल निशानेबाज बन गए। 15 वर्ष की तिलोत्तमा ने महिलाओं के फाइनल में 252.3 अंक बनाकर भारत के लिए दसवां कोटा हासिल किया। वह स्वर्ण पदक से मामूली अंतर से चूक गई। कोरिया की युंजी क्रोन ने 252.4 अंक के साथ स्वर्ण जीता। भारत की ही रमिता को कांस्य पदक मिला।

भारतीय निशानेबाजों ने राइफल में सात कोटा स्थान, शॉटगन में दो और पिस्टल में एक कोटा हासिल किया है। दस मीटर एयर राइफल में इससे पहले रूद्रांक्ष पाटिल ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं। एक स्पर्धा में एक देश को अधिकतम दो कोटा स्थान मिल सकते हैं। बाबुता ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 251.2 अंक बनाए। वह क्वालीफिकेशन में 633.4 स्कोर करके शीर्ष रहे थे। भारत के दिव्यांश पंवार 209.6 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 632.3 अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया था। रविशंकर कार्तिक और रूद्रांक्ष फाइनल में जगह नहीं बना सके। टीम स्पर्धा में भारत ने स्वर्ण, चीन ने रजत और जापान ने कांस्य जीता।

एशियन पैरा गेम्स : भारत की शीतल ने जीता स्वर्ण

हांगझू। यहां जारी एशियन पैरा गेम्स 2023 में भारत की महिला तीरंदाज शीतल देवी ने स्वर्ण पदक जीता है। शीतल ने सरिता के साथ जोड़ी बनाते हुए महिला टीम की ओर से रजत जबकि राकेश कुमार के साथ मिश्रित वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा एक स्वर्ण एकल मुकाबले में जीता। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के लोइधर गांव की 16 वर्ष की शीतल देवी ने इस सप्ताह देश के लिए तीरंदाजी में दो पदक जीते हैं। शीतल ने मुंह और पैरों की सहायता से ये कमाल किया है। वो अपने दाहिने पैर से धनुष को पकड़ती हैं और संतुलित करती है। वहीं अपने दाहिए कंधे से जुड़े एक मैनुअल रिलीजर का इस्तेमाल कर के स्ट्रिंग को पीछे खींचती हैं और 50 मीटर दूर लक्ष्य को भेदने के लिए मुंह में रखे ट्रिगर का इस्तेमाल करती हैं। इस दौरान वह पूरे समय अपने बाएं पैर के बल सीट पर खुद को सीधा रखती हैं।

टीम एक इकाई के तौर पर खेले तो ही बेहतर होता है प्रदर्शन : रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि टीम के एक इकाई के तौर पर खेलने से प्रदर्शन का बेहतर होना तय है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्वकप में अब तक अपने सभी मैच जीते हैं। भारतीय टीम अब रविवार को लखनऊ में गत चैंपियन इंग्लैंड का सामना करेगी। रोहित ने ये भी कहा कि जीत के लिए सभी को अपनी भूमिका निभानी होती है। इस दौरान कप्तान के तौर पर उनका प्रयास होता है कि सभी की आवश्यकता को समझते हुए काम करें। इस दौरान वह सभी की पसंद और नापसंद को जानने का भी प्रयास करते हैं। इसका कारण है कि क्रिकेट एक टीम गेम है और इसमें सभी को मिलकर प्रयास करना होता है। उन्होंने कहाहम यह भी समझते हैं कि जब आप चैंपियनशिप, बड़े टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं, तो हर किसी को पार्टी में आना होगा और अपनी भूमिका निभानी होगी। इसलिए, यह अहम है कि आप सभी को अच्छी मानसिक स्थिति में रखें। इसलिए, हर किसी की बात सुनना, या समझना बहुत जरुरी होता है कि वे क्या चाहते हैं और कैसे काम करना चाहते हैं।

धोनी ने संन्यास लेने के कारणों को बताया

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने तीन साल के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले के कारणों का खुलासा किया है। धोनी ने कहा कि साल 2019 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से टीम के हार के बाद ही उन्होंने यह तय कर लिया था कि वह अब खेल को अलविदा कर देंगे। साल 2019 विश्व कप में भारत की हार के बाद एक साल से अधिक समय तक मैदान से दूर रहे ओर फिर 15 अगस्त 2020 को उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी।

यहां एक कार्यक्रम में धोनी ने कहा कि सेमीफाइनल के बाद उन्होंने फैसला किया कि यह भारत के लिए उनका आखिरी मैच था। उन्होंने कहा, जब आप एक करीबी मैच हार जाते हैं तो अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना कठिन हो जाता है। मेरे लिए, वह आखिरी दिन था जब मैंने भारत के लिए क्रिकेट खेला। मैंने एक साल बाद संन्यास लिया, लेकिन तथ्य यह है कि उस दिन मैं सेवानिवृत्त हो गया था।

वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते हैं और उन्होंने 2023 में अपनी टीम को 5वें खिताब जिताया है। इतना ही नहीं उन्होंने प्रशंसकों से कहा है कि वह आईपीएल 2024 में भी वापसी करेंगे।

दो बार पिछड़ने भारत की शानदार वापसी, पाकिस्तान को ड्रा पर रोका

जोहोर बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। गत चैंपियन भारत ने दो बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सुल्तान जोहोर कप जूनियर पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां 3-3 से ड्रॉ पर रोका।

भारत की तरफ से अमनदीप लाकड़ा (30वें मिनट), आदित्य अर्जुन लालेज (56वें) और उत्तम सिंह (59वें) ने गोल करके टीम के लिए एक अंक सुनिश्चित किया। पाकिस्तान के लिए अरबाज अहमद (31वें, 58वें) और अब्दुल शाहिद (49वें) ने गोल किए। टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में दोनों टीमों ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया। दिसंबर में मलेशिया में होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले यह टूर्नामेंट सभी टीमों के लिए कड़ी परीक्षा होगा।

भारत को गोल करने का पहला मौका 12वें मिनट में मिला लेकिन अंगद बीर सिंह का शॉट निशाने पर नहीं लगा। पहले क्वार्टर में दोनों टीम ने बहुत अधिक आक्रामकता नहीं दिखाई लेकिन उनका रक्षण अच्छा रहा। पाकिस्तान ने दूसरे क्वार्टर में दमदार शुरुआत की और पहले मिनट में ही पेनल्टी हासिल की लेकिन भारतीय टीम ने उसका अच्छा बचाव किया। भारत को भी इसके बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया।

ड्रैग फ्लिकर अमनदीप ने हालांकि मध्यांतर से ठीक पहले भारत को बढ़त दिला दी लेकिन छोर बदलने के बाद पहले मिनट में ही अबराज अहमद ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद हमलावर तेवर अपनाए। पूवाना बॉबी चंदूरा ने 39वें मिनट में गोल पर अच्छा शॉट लगाया लेकिन पाकिस्तानी गोलकीपर अली रजा ने उसे बचा लिया।

तीसरे क्वार्टर के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। पाकिस्तान के कप्तान अब्दुल शाहिद ने 49वें मिनट में भारतीय गोलकीपर मोहित को छकाकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने इसके एक मिनट बाद पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह उसे गोल में नहीं बदल पाया। जब खेल समाप्त होने में पांच मिनट का समय बचा था तब भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर आदित्य ने रिबाउंड पर गोल किया। अरबाज ने हालांकि जल्द ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके पाकिस्तान को फिर से आगे कर दिया। उत्तम ने अंतिम हूटर बजने से एक मिनट पहले मैदानी गोल करके भारत को बराबरी दिलाई। भारत अपना अगला मैच शनिवार को मलेशिया से खेलेगा।

सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे से फिर बन सकते हैं पाक टीम के कप्तान

कराची। विश्वकप में इस बार पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान बाबर आजम सबके निशाने पर हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि विश्वकप के बाद होने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनकी जगह पर सरफराज अहमद, मुहम्मद रिजवान या शाहीन शाह आफरीदी को कप्तान बनाया जा सकता है। पाक टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में तीन टेस्ट मैच खेलेगी। सरफराज अभी विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं पर वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2017 के विजेता कप्तान हैं और पिछले अनुभवों को देखते हुए उन्हें एक बार फिर सफेद और लाल गेंद क्रिकेट दोनों में कप्तानी की भूमिका निभाने मिल सकती है जबकि शाहीन को टी20 की कमान दी जा सकती है। ये भी माना जा रहा है आजम कप्तानी का दबाव महसूस कर रहे हैं और एक बल्लेबाज के रूप में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वहीं अगर टीम किसी प्रकार सेमीफाइनल में पहुंच जाती है तक भी बाबर को केवल लाल गेंद प्रारूप में कप्तानी के लिए भेजा जा सकता है। बाबर की अधिक आलोचना का कारण ये भी है कि उन्हें कप्तान के रूप में सारी ताकत और अधिकार दिए गए पर वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। टीम में हमेशा उनकी पसंद के खिलाड़ी रहे हैं। उनके अधिकार को कम करने का कभी कोई प्रयास नहीं किया गया है और इसलिए अब एशिया कप और विश्व कप में हार के लिए बाबर को पूरी तरह से जिम्मेदार माना जा रहा है। वहीं इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख जका अशरफ ने ऑस्ट्रेलिया दौरे और टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए मुख्य चयनकर्ता इंजमाम-उल-हक और पूर्व खिलाड़ियों मुहम्मद यूसुफ और आकिब जावेद से मुलाकात की।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं कमिंस

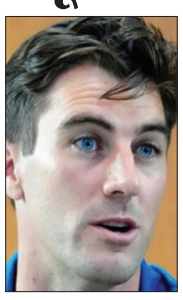

धर्मशाला (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी टीम शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। कमिंस ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ मिली जीत से उनकी टीम उत्साहित है और अब लय में भी आ गयी है। कप्तान के अनुसार टीम अब अपनी क्षमता के अनुरूप खेलने भी लगी है। उन्होंने माना कि विश्वकप में इस बार उनकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे शुरुआती मुकाबलों में भारत और दक्षिण अफ्रीका से पहले हार का सामना करना पड़ा पर इसके बाद टीम ने इसके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराया। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि अब हम अपनी क्षमता के अनुरूप खेलने लगे हैं। बल्लेबाजों का भी अब शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। उन्हें डच टीम के खिलाफ केवल 40 गेंद में शतक लगाने वाले ग्लेन मैक्सवेल की भी जमकर प्रशंसा की। कमिंस ने मान है कि न्यूजीलैंड की टीम अच्छी है पर उन्होंने धर्मशाला में पहले खेला है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। साथ ही कहा कि हम इस मुकाबले का बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। वहीं मैक्सवेल ने कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ पारी से उनका भी मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मैच के हालात के अनुरूप खेलता चला गया। कुछ सोचकर नहीं उतरा था। कुछ फैसले अच्छे रहे। अपने को समय दिया और आत्मविश्वास मिला।

फीडे ग्रांड स्विस शतरंज - अर्जुन की लगातार दूसरी जीत, करूआना हुए 2800 के पार

डगलस, आइल ऑफ मैन। फीडे ग्रांड स्विस में दूसरे राउंड में भारत के अर्जुन एरिगासी नें लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए सयुंक्त बढ़त बना ली है। अर्जुन के अलावा यूएसए के टॉप सीड करूआना फबियानों, रूस के आन्द्रे एसीपेंकों नीदरलैंड के एमी इर्विन, सर्बिया के अलेक्सी सराना और अलेक्ज़ेंडर प्रेडके और कजाकिस्तान के रमज़ान ज़हलमखनोव अपने दोनों मैच जीतने में सफल रहे है। दूसरे दिन अर्जुन का सामना स्पेन के शीर्ष खिलाड़ी डेविड अंटोन से था और काले मोहरो से खेलते हुए इंग्लिश ओपनिंग में 40 चालों में जीत दर्ज की। दूसरा मैच जीतने वाले खिलाड़ियों में करूआना नें हमवतन नीमन हंस मोके को, प्रेडके नें पोलैंड के यान डूड़ा को, एर्विन नें स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव को एसीपेंकों नें कजाकिस्तान के रीनात जुमाब्येव को, सराना नें इंग्लैंड के रॉयल श्रेयस को और रमज़ान नें मिश्र के अमीन बासेम को पराजित किया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में एसएल नारायनन नें उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से, अरविंद चितांबरम नें यूएसए के सेमुयल सेवियन से, रौनक साधवानी नें यूएसए के हिकारु नाकामुरा से, डी गुकेश नें उक्रेन के रुसलान पोनोमरियोव से, प्रज्ञानन्दा नें रूस के मुरजिन वोलोदर से, आर्यन चोपड़ा नें जर्मनी के विन्सेंट केमर से, निहाल सरीन नें अदयीन सुलेमानली से बाजी ड्रॉ खेली। महिला वर्ग में दिव्या देशमुख को टॉप बोर्ड पर चीन की पूर्व विश्व चैम्पियन तान ज़्होंगाई से हार का सामना करना पड़ा जबकि आर वैशाली नें नीदरलैंड की एलिन रोबर्स से, हरिका द्रोणावल्ली नें हंगरी होंग त्रांग से, तानिया सचदेव नें जर्मनी की दिनारा वैगनर से बाजी ड्रॉ खेली। जबकि सविता श्री को बुल्गारिया की अंटोनेता स्टेफ़नोवा से तो वन्तिका अग्रवाल को इन्डोनेशिया की औलिया मेडिना से हार का सामना करना पड़ा।

हार्दिक की गैर मौजूदगी ने अश्विन का चयन किया मुश्किल, कोहली को करनी पड़ सकती है गेंदबाजी

लखनऊ (एजेंसी)। रविचंद्रन अश्विन को तीसरे स्पिनर के तौर पर लखनऊ में उतारने का फैसला आसान होता लेकिन स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या की गैर मौजूदगी ने भारतीय टीम प्रबंधन को रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले विश्व कप के मैच से पहले सोचने पर मजबूर कर दिया है। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले तीसरे तेज गेंदबाज हार्दिक अंतिम एकादश को संतुलन देते हैं। धर्मशाला में उनकी गैर मौजूदगी में भारतीय टीम में दो बदलाव करने पड़े थे। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की थी।

हार्दिक के रहने से भारत के पास गेंदबाजी के छह विकल्प होते हैं लेकिन खराब फॉर्म से जूझ रहे इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम पांच गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। हार्दिक की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी और सूर्यकुमार यादव को मौका दिया गया जबकि शार्दुल ठाकुर को बाहर रखा गया था। रोहित शर्मा एंड कंपनी ने 9 अलग अलग स्थानों पर 9 लीग मैचों में हालात के अनुरूप टीम के चयन की रणनीति अपनाई है।

स्पिनरों की मददगार पिच पर अश्विन उनकी पसंद है लेकिन सपाट पिच पर शार्दुल को चुना जाता है। हार्दिक की अनुपस्थिति में यह मुश्किल हो गया है। लखनऊ में अगर अश्विन को उतारा जाता है तो भारत के पास दो ही विशेषज्ञ तेज गेंदबाज रह जाएंगे। ऐसे में जसप्रीत बुमराह के साथ मोहम्मद सिराज और शमी में से एक को चुनना होगा। शमी ने धर्मशाला में पांच विकेट लेकर ड्रेसिंग रूम में चयन की दुविधा बढ़ दी है।

भारत के पूर्व चयनकर्ता और स्पिनर शरणदीप सिंह का मानना है कि हार्दिक की गैर मौजूदगी में भी भारत को छठा गेंदबाजी विकल्प रखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हार्दिक रहे या नहीं रहे, गेंदबाजी में छठा विकल्प होना चाहिए। बुमराह का खराब दिन होने या कुलदीप के महंगा साबित होने पर उसकी जरूरत पड़ेगी। छठा गेंदबाज नहीं होने पर विराट कोहली को दो या तीन ओवर डालने पड़ सकते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उन्नत विधि से करें पपीते की खेती

पपीता सबसे कम समय में फल देने वाला पेड है इसलिए कोई भी इसे लगाना पसंद करता है, पपीता न केवल सरलता से उगाया जाने वाला फल है, बल्कि जल्दी लाभ देने वाला फल भी है, यह स्वास्थवर्धक तथा लोक प्रिय है, इसी से इसे अमृत घट भी कहा जाता है, पपीता में कई पाचक इन्जाइम भी पाये जाते है तथा इसके ताजे फलों को सेवन करने से लम्बी कर्बजियत की बिमारी भी दूर की जा सकती है।

जलवायु: पपीते की अच्छी खेती गर्म नमी युक्त जलवायु में की जा सकती है। इसे अधिकतम 38 डिग्री सेल्सियस 44 डिग्री सेल्सियस तक तापमान होने पर उगाया जा सकता है, न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस से कम नही होना चाहिए लू तथा पाले से पपीते को बहुत नुकसान होता है। इनसे बचने के लिए खेत के उत्तरी पश्चिम में हवा रोधक वृक्ष लगाना चाहिए पाला पडने की आशंका हो तो खेत में रात्रि के अंतिम पहर में धुंआ करके एवं सिचाई भी करते रहना चाहिए।

भूमि: जमीन उपजाऊ हो तथा जिसमें जल निकास अच्छा हो तो पपीते की खेती उत्तम होती है, जिस खेत में पानी भरा हो उस खेत में पपीता कदापि नही लगाना चाहिए। क्योकि पानी भरे रहने से पोधे में कॉलर रॉट बिमारी लगने की सम्भावना रहती है, अधिक गहरी मिट्टी में भी पपीते की खेती नही करना चाहिए।

भूमि की तैयारी: खेत को अच्छी तरह जोंत कर समतल बनाना चाहिए तथा भूमि का हल्का ढाल उत्तम है, 2 ङ्क 2 मीटर के अन्दर पर लम्बा, चौडा, गहरा गढ्ढा बनाना चाहिए, इन गढ्ढों में 20 किलो गोबर की खाद, 500 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 250 ग्राम म्यूरेट आफ पोटाश को मिट्टी में मिलाकर पौधा लगाने के कम से कम 10 दिन पूर्व भर देना चाहिए।

किस्म: पूसा मेजस्टी एवं पूसा जाइंट, वाशिंगटन, सोलो, कोयम्बटूर, हनीड्यू, कुर्गहनीड्यू, पूसा ड्वार्फ, पूसा डेलीसियस, सिलोन, पूसा नन्हा आदि प्रमुख किस्में है।

बीज: एक हेक्टेयर के लिए 500 ग्राम से एक किलो बीज की आवश्यकता होती है, पपीते के पौधे बीज द्वारा तैयार किये जाते है, एक हेक्टेयर खेती में प्रति गढ्ढे 2 पौधे लगाने पर 5000 हजार पौध संख्या लगेगी।

लगाने का समय एवं तरीका: पपीते के पौधे पहले रोपणी में तैयार किये जाते है, पौधे पहले से तैयार किये गढ्ढे में जून, जुलाई में लगाना चाहिए, जंहा सिंचाई का समूचित प्रबंध हो वंहा सितम्बर से अक्टूबर तथा फरवरी से मार्च तक पपीते के पौधे लगाये जा सकते है।

नर्सरी में रोपा तैयार करना: इस विधि द्वारा बीज पहले भूमि की सतह से 15 से 20 सेमी. उंची क्यारियों में कतार से कतार की दूरी 10 सेमी, तथा बीज की दूरी 3 से 4 सेमी. रखते हुए लगाते है, बीज को 1 से 3 सेमी. से अधिक गहराई पर नही बोना चाहिए, जब पौधे करीब 20 से 25 सेमी. उंचे हो जावें तब प्रति गढ्ढा 2 पौधे लगाना चाहिए।

पौधे पालीथिन की थैली में तैयार करने की विधि

20 सेमी. चौडे मुंह वाली, 25 सेमी. लम्बी तथा 150 सेमी. छेद वाले पालीथिन थैलियां लेवें इन थैलियों में गोबर की खाद, मिट्टी एवं रेत का समिश्रण करना चाहिए, थैली का उपरी 1 सेमी. भाग नही भरना चाहिए, प्रति थैली 2 से 3 बीज होना चाहिए, मिट्टी में हमेशा पर्याप्त नमी रखना चाहिए, जब पौधे 15 से 20 सेमी. उंचे हो जावें तब थैलियों के नीचे से धारदार ब्लेड द्वारा सावधानी पूर्वक काट कर पहले तैयार किये गये गढ्ढों में लगाना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक: एक पौधे को वर्षभर में 250 ग्राम नत्रजन, 250 ग्राम स्फुर एवं 500 ग्राम पोटाश की आवश्यकता होती है, इसे छ- बराबर भाग में बांट कर प्रति 2 माह के अंतर से खाद तथा उर्वरक देना चाहिए खाद तथा उर्वरक को मिट्टी में मिलाकर थैली) में देकर सिंचाई करना चाहिए। इस मिश्रण को नर पौधों को और ऐसे पौधो को नही देना चाहिए, जिसे 4 से 6 माह बाद निकालकर फेकना है।

नर पौधों को अलग करना: पपीते के पौधे 90 से 100 दिन के अन्दर फूलने लगते है तथा नर फूल छोटे-छोटे गुच्छों में लम्बे डंढल युक्त होते है। नर पौधों पर पुष्प 1 से 1.3 मी. के लम्बे तने पर झूलते हुए तथा छोटे होते है। प्रति 100 मादा पौधों के लिए 5 से 10 नर पौधे छोड कर शेष नर पौधों को उखाड देना चाहिए। मादा पुष्प पीले रंग के 2.5 से.मी. लम्बे तथा तने के नजदीक होते है।

निंदाई, गुडाई तथा सिंचाई : गर्मी में 4 से 7 दिन तथा ठण्ड में 10 से 15 दिन के अंतर पर सिंचाई करना चाहिए, पाले की चेतावनी पर तुरंत सिंचाई करें, तीसरी सिंचाई के बाद निंदाई गुडाई करें। जडों तथा तने को नुकसान न हो।

फलो को तोडना: पौधे लगाने के 9 से 10 माह बाद फल तोडने लायक हो जाते है। फलों का रंग गहरा हरे रंग से बदलकर हल्का पीला होने लगता है तथा फलों पर नाखुन लगने से दूध की जगह पानी तथा तरल निकलता हो तो समझना चाहिए कि फल पक गया होगा। फलो को सावधानी से तोडना चाहिए। छोटी अवस्था में फलों की छटाई अवश्य करना चाहिए।

पौध संरक्षण:

माइट, एफीड्स तथा फल मक्खी जैसे कीटों का प्रकोप इन पर देखा गया है। इसके नियंत्रण को मेटासिस्टाक्स 1 लीटर दवा प्रति हेक्टर के दर से तथ दूसरा छिडकाव 15 दिन के अंतर से करना चाहिए। फूट एण्ड स्टेम राट बीमारी से पौधों को बचाने के लिए तने के पास पानी न जमने दें। जिस भाग में रोग लगा हो वहां चाकू से खुरच कर बोडो पेस्ट भर देना चाहिए। पावडरी मिलड्यू के नियंत्रण के लिए सल्फर डस्ट 30 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी के हिसाब से 15 दिन के अंतराल में छिडकाव करें

उपज तथा आर्थिक लाभ:

प्रति हेक्टर पपीते का उत्पादन 35-40 टन होता है। यदि 1500 रू./ टन भी कीमत आंकी जावें तो किसानों को प्रति हेक्टर 34000.00 रू. का शुद्ध लाभ प्राप्त होगा।

कृषि आधारित कुटीर उद्योग है रेशम उत्पादन

रेशम भारत के जीवन में रच बस गया है। हजारों वर्षों से यह भारतीय संस्कृति और परम्परा का अभिन्न अंग बन गया है। कोई भी अनुष्ठान किसी न किसी में रेशम के उपयोग के बिना पूरा नहीं होता है। रेशम उत्पादन और सिल्क रेशमी कपड़ा एक मुख्य उप क्षेत्र है जिसमें कपड़ा क्षेत्र आता है। रेशम उत्पादन कृषि आधारित कुटीर उद्योग है। रेशम उत्पादन का आशय बड़ी मात्रा में रेशम प्राप्त करने के लिए रेशम उत्पादक जीवों को पालन होता है। रेशम उत्पादन कृषि आधारित श्रम ग ह न उद्योग है। रेशम उत्पादन उद्योग में शामिल मुख्य क्रियाकलाप हैं -

रेशम कीट खाद्य पौधों की खेती करना, कच्चा रेशम के उत्पादन के लिए रेशम कीट पालना, रेशम फिलोमेंट निकालने के लिए कोकून का रीलिंग और अन्य कोकून पश्च प्रसंस्करण जैसे कि, मरोड़ना, डाइ करना, बुनना, प्रिंटिंग और तैयार करना रेशम उत्पादन एक अन्यन्त गहन श्रम क्षेत्र है, जिसमें कृषि (रेशम उत्पादन) और उद्योगों क्रियाकलाप शामिल होते हैं। भारत का रेशम कच्चा उत्पादन में विश्व में दूसरा स्थान है। इस स्थान के साथ-साथ इसकी अपार रोजगार क्षमता, जो रेशम पालम और सिल्क को भारतीय कपड़े के नक्शे में अपरिहार्य बनाता है।

रेशम का मूल्य बहुत अधिक है परन्तु इसकी उत्पादन की मात्रा कम है जो विश्व के कुल कपड़ा उत्पादन का केवल 0.2 प्रतिशत है। यह आर्थिक महत्व का मूल्यवर्धित उत्पाद प्रदान करता है।

मूंगा रेशम के उत्पादन में भारत का एकाधिकार है। यह कृषि क्षेत्र में एकमात्र नकदी फसल है जो 30 दिनों के भीतर प्रतिफल प्रदान करता है। रेशम उत्पादन महत्वपूर्ण आर्थिक क्रियाकलाप के रूप में उभरा है यह देश के अनेकानेक भागों में लोकप्रिय होता जा रहा है क्योंकि इसकी परिपक्वन अवधि छोटी होती है, संसाधनों का तुरंत पुन- चक्रन होता है। यह सभी प्रकार के किसानों के लिए उपयुक्त होता है विशेषतया सीमांत और छोटे जमीन धारकों के लिए चूंकि यह आप बढ़ाने के लिए समृद्ध अवसर प्रदान करता है और साल भर के लिए स्वयं परिवार के लिए रोजगार का सृजन करता है।

भारत सरकार की देश में रेशम उद्योग के विकास के लिए समवर्ती जिम्मेदारी है। केन्द्रीय स्तर पर, कपड़ा मंत्रालय नोडल संगठन है

जिसमें रेशम उत्पादन और रेशमी कपड़ा उद्योग एक मुख्य कार्यात्मक क्षेत्र के रूप में हैं।

रेशम उत्पादन के संवर्धन और विकास के लिए अनेक केन्द्रीय रूप से प्रायोजित योजनाएं हैं, जिनके द्वारा भारत सरकार विभिन्न क्रियाकलाप कर रही है जैसे रेशम उत्पादन संबंधी मूल संरचना का सृजन नर्सरी और फार्मों का विकास, बागान क्षेत्र का विस्तार आदि।

किसानों के लिए फायदेमंद है आधुनिक कृषि यंत्र

जैसे–जैसे दुनिया आगे बढ़ रही है वैसे वैसे हर क्षेत्र में तकनीक भी आगे बढ़ रही है। आज अगर देखा जाए तो हर क्षेत्र में रोज नई नई तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। फिर चाहे वो वस्त्र बनाने वाली कम्पनियां हों, मेटल, प्रिंटिंग, मसाले, बड़ी–बड़ी कारें एवं मोटरसाइकिल बनाने वाली कम्पनियां नई तकनीक का ही इस्तेमाल कर आगे बढ़ रही हैं। इस आपाधापी के युग में कृषि क्षेत्र कैसे पीछे रह सकता है। कृषि के क्षेत्र में तरह तरह के यंत्र आ रहे हैं जिनका उपयोग कर किसान अपना समय बचा सकते हैं और आर्थिक लाभ भी कर सकते हैं।

छोटा हार्वेस्टर

आजकल मजदूरों की कमी है,इसलिए फसलों की कटाई के लिए मशीन ईजाद की गई है, यह ऐसी मशीन है जिससे फसल कटाई, गहाई सब एक साथ जल्दी-जल्दी हो जाती है। और हमें घर में सीधा दाना मिलता है। लेकिन बड़े हार्वेस्टर 15 से 20 लाख रुपए के आते हैं एक मध्यमवर्गीय किसान के लिए उसे लेना संभव नहीं होता, इसलिए हमारे वैज्ञानिको ने छोटा हार्वेस्टर ईजाद कर दिया। इसे हर किसान खरीद सकता है। इसकी कीमत 2 से 3 लाख रुपए तक है। इसे रखने के लिए एक बाईक बराबर जगह की जरूरत होगी।

छोटा ट्रेक्टर- बड़े-बड़े ट्रेक्टर तो आपने बहुत देखे होंगे पर यह छोटा ट्रेक्टर मस्त चीज है। अपनी स्वयं की खेती करने के लिए यह अच्छा यंत्र है। आप इससे अपनी खेती आराम से कर सकते हैं। पर आप इसका व्यवसायिक उपयोग नहीं कर सकते। इसके टायर भी छोटे-छोटे हैं जो गीली मिट्टी में फंस सकते हैं और ज्यादा लोड नहीं लेगा। टायर भी जल्द खराब हो सकते हैं।यह तो बागो व् सब्जियों के लिए बहुत लाभदायक है! हां लेकिन इतनी सस्ती कीमत में और क य ा मिलेगा। इसकी कीमत 2 से 3 लाख रुपए तक बताई गई है।

रोटावेटर

इस यंत्र का काम है मिट्टी को पलटना यानी जब किसान हार्वेस्टर या मजदूरों द्वारा फसल को कटवाया जाता है तो नीचे की फसल का भाग बच जाता है, इसे साफ के लिए किसान खेतों में आग लगाता है जिससे कई नुकसान होते हैं जैसे- पर्यावरण प्रदूषण, दूसरे की फसलों में आग लग जाना, जंगलों में आग लगना, किसी का घर जल जाना, और सबसे बड़ी हानि स्वयं किसान को ही होती है। इससे मिट्टी का उपजाऊपन कम होता है। हां रोटीवेटर से यह सब नहीं होता इसे ट्रेक्टर में फंसाकर चलाने से खेत का कचरा मिट्टी के नीचे चला जाता है और एक साल बाद दबे-दबे खाद में बदल जाता है इससे खेत की उर्वरा क्षमता भी बढती है।

टपक सिंचाई

वर्तमान समय में पानी का कम होना, जलस्तर गिरना बड़ी समस्याएं हैं। ऐसे में खेतों की सिंचाई करना एक बड़ी समस्या बनेगी इसलिए अभी सचेत होना जरूरी है। इस समस्या से बचाने के लिए हमारे वैज्ञानिकों ने तैयार किया 'टपक सिंचाई सिस्टम' इसके द्वारा पानी टपक-टपक के खेतों में गिरता है। खास बात यह है कि इससे पानी की बचत होती है और फसल की जड़ तक पानी जाता है। इस सिस्टम का उपयोग सब्जी, संतरे व अन्य फल वाले बड़े पेड़ों के लिए उपयुक्त होता है। गेहूं, सोयाबीन के लिए इसका उपयोग नहीं किया जा सकता।

30 अक्टूबर को गवाही देने के लिए तैयार सुंदर पिचाई

सैन फ्रांसिस्को । सुंदर पिचाई 30 अक्टूबर को अमेरिका बनाम गूगल एंटी-ट्रस्ट मामले में गवाही देने के लिए तैयार हैं। पिचाई अमेरिकी न्याय विभाग और राज्य अटॉर्नी जनरल के गठबंधन द्वारा लाए गए मुकदमे में चल रहे अविश्वास मुकदमे में गवाही देने वाले हैं। उनका आरोप है कि गूगल ने सर्च इंजन बाजार में अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया है। पिचाई उन पहले गवाहों में से एक हैं, जिन्हें गूगल ने अपने अविश्वास बचाव के लिए बुलाया है, जो गुरुवार को आधिकारिक तौर पर शुरू हुआ। गूगल के शीर्ष कार्यकारी प्रभाकर राघवन ने मामले में गवाही दी और कई प्रमुख मुद्दों पर बात की। एक्स पर पोस्ट किया, उन्होंने अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर गूगल द्वारा दिए गए जोर के बारे में गवाही दी, इस धारणा पर विवाद किया कि गूगल का खोज उत्पाद अमेरिका के अलावा अन्य देशों में उच्च गुणवत्ता वाला है, जहां इस बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। राघवन ने गवाही दी कि गूगल को अमेजन और टिकटॉक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। वह न्याय विभाग के गूगल के वन-स्टॉप शॉप के दृष्टिकोण से असहमत हैं, क्योंकि उनका मानना है कि उपयोगकर्ता अपनी खोजों के बारे में ऐसा नहीं सोचते हैं। खोज में याहू के प्रभुत्व के बारे में 1998 के एक लेख के बारे में पूछने पर, राघवन ने कहा कि उन्हें पता है कि एक्सपेडिया.कॉम से लेकर इंस्टाग्राम और टिकटॉक तक के प्रतिद्वंद्वी उपयोगकर्ताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। पिचाई को रिपोर्ट करने वाले राघवन ने कहा, मुझे इस बात का गहरा अहसास है कि मैं अगला रोडकिल नहीं बनूंगा।

इजरायल से जंग के बीच हमास ने मुस्लिम समाज से की ये अपील

गाजा। इजरायल और हमास की जंग बीते 20 दिन से जारी है. गाजा पट्टी पर इजरायल द्वारा लगातार किए जा रहे हमलों के बाद वहां हालात बदतर होते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने कहा है कि फिलिस्तीन में हमले का असर आम जन-जीवन पर पड़ रहा है, जिसकी वजह से जीवन रक्षक संसाधनों, विशेष रूप से ईंधन की किल्लत हो गई है। इस बीच हमास ने इस्लामिक देशों के लोगों से अपील की है। हमास ने फिलिस्तीनियों, अरबों और मुसलमानों से राफा बॉर्डर क्रॉस खोलने के लिए शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। हमास ने लिखा, हमास का लक्ष्य गाजा पट्टी में नागरिकों, बच्चों और महिलाओं की जान बचाने के लिए क्रॉसिंग खोलने और तत्काल राहत और चिकित्सा सहायता और ईंधन लाने के लिए हर तरह से दबाव डालना है। हमास ने लोगों से कहा कि वे राफा क्रॉसिंग खोलें और गाजा के खिलाफ नरसंहार के युद्ध को रोकें नारे लगाएं। बता दें कि इजरायल और हमास की जंग बीते 20 दिन से जारी है। इन हमलों के बाद वहां हालात बदतर होते जा रहे हैं। जिसकी वजह से जीवन रक्षक संसाधनों, विशेष रूप से ईंधन की किल्लत हो गई है। कई ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जहां गाजा निवासी पेट्रोल के लिए कतार में खड़े हैं। ईंधन की कमी के बीच लोग लकड़ी से आग जलाकर चूल्हे पर खाना बना रहे हैं।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली केकियांग का हार्ट अटैक से निधन, 68 की उम्र में ली अंतिम सांस

बीजिंग। चीन में आर्थिक सुधारों का समर्थन करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री ली केकियांग का निधन हो गया है। गुरुवार को उन्हे दिल का दौरा पड़ा और शुक्रवार की रात को शंघाई के एक अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। खबरों के मुताबिक, उन्हें पुनर्जीवित करने के सभी प्रयास किए गए लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। 68 वर्षीय ली पिछले साल सेवानिवृत्त होने तक वह सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी में दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति थे। सत्ता का कोई आधार न होने के बावजूद ली पार्टी में आगे बढ़े और एक समय तो उन्हें राष्ट्रपति की शीर्ष भूमिका के लिए भी चुना गया था। चीनी प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद ली को 2013 की फोर्ब्स की दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोगों की सूची में 14वां स्थान दिया गया था। ली को पूर्व नेता हू जिंताओ के साथ जुड़ा हुआ देखा गया था, जिन्हें शी के आदेश पर पिछले साल की पार्टी कांग्रेस में मंच से हटा दिया गया था। ली की मृत्यु पर ऑनलाइन व्यापक रूप से शोक व्यक्त किया जा रहा है, चीनी सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने कहा कि यह हमारे घर का एक स्तंभ खोने जैसा है। ली को उनके मजबूत आर्थिक ट्रैक रिकॉर्ड के लिए याद किया जाएगा।बता दें कि ली 2013 से 2023 तक चीन के प्रधानमंत्री पद पर भी रह चुके हैं। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें शुरू में चीन की अर्थव्यवस्था की बागडोर सौंपी गई थी, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि जैसे-जैसे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सत्ता हासिल की, उनके करियर के अंत में उन्हें किनारे कर दिया गया।

रूस समर्थक पूर्व यूक्रेनी सांसद को लगी गोली, हालत गंभीर

रूसी अधिकारी ने शुक्रवार को कहा रूसी समर्थक पूर्व यूक्रेनी सांसद ओलेग त्सारियोव, जिनके बारे में बताया गया था कि रूस के आक्रमण के बाद कीव में कठपुतली प्रशासन का नेतृत्व करने के लिए मास्को ने उन्हें तैयार किया था। वो गोली लगने के बाद गहन देखभाल में हैं। अधिकारी व्लादिमीर रोगोव ने यह नहीं बताया कि गोलीबारी कहाँ हुई थी। दक्षिणी यूक्रेन में रूस में स्थापित एक वरिष्ठ अधिकारी रोगोव ने कहा कि ओलेग की हालत बहुत गंभीर है। वह फिलहाल गहन देखभाल में है। उन्होंने टेलीग्राम पर कहा, रूढ़िवादी ईसाई विश्वासियों से ज़ारोव के लिए प्रार्थना करने के लिए कहा। सूत्रों ने पिछले साल रॉयटर्स को बताया था कि पिछले साल 24 फरवरी को मॉस्को की सेना के आक्रमण के बाद रूस कीव में कठपुतली सरकार का नेतृत्व करने के लिए ज़ारोव को आगे बढ़ा रहा था। आक्रमण से पहले जब फाइनेंशियल टाइम्स ने अमेरिकी खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए इसकी रिपोर्ट दी, तो ज़ारोव ने खुद उस संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने उस समय फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि यह विचार 'काफ़ी मज़ेदार' था क्योंकि वह सिर्फ क्रीमिया में एक वेलनेस व्यवसाय चला रहे थे और 'पर्याप्त महत्वपूर्ण नहीं' थे।

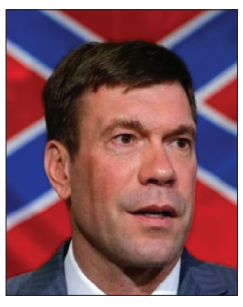

पाकिस्तान में जनवरी 2024 में समय पर होंगे आम चुनाव : आयोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने शुक्रवार को कहा कि देश में आम चुनाव निर्धारित समय जनवरी 2024 के आखिरी सप्ताह में होंगे। आयोग ने कहा, ''चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के प्रकाशन के बाद चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जायेगी। चुनावों के निर्धारित समय से आगे बढ़ाने की कोई संभावना नहीं है।' आयोग के अनुसार परिसीमन का पहला चरण पूरा हो चुका है और आपत्तियां दाखिल करने का दूसरा चरण कल तक पूरा हो जाएगा। आयोग 30 और 31 अक्टूबर से प्रारंभिक परिसीमन के संबंध में आपत्तियों पर सुनवाई शुरू कर देगा। तीस नवंबर को अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। ईसीपी ने कहा कि आम चुनाव कार्यक्रम की घोषणा निर्वाचन क्षेत्रों के अंतिम प्रकाशन के बाद की जाएगी।

सुल्तान इब्राहिम को नियुक्त किया गया नया राजा, अल-सुल्तान अब्दुल्ला की लेंगे जगह

कुआलालंपुर (एजेंसी)। शासकों की मुहर के संरक्षक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सुल्तान इब्राहिम 31 जनवरी, 2024 को वर्तमान राजा अल-सुल्तान अब्दुल्ला से पदभार ग्रहण करेंगे। मलेशिया के शाही परिवारों ने दक्षिणी राज्य जोहोर के शक्तिशाली और मुखर सुल्तान इब्राहिम सुल्तान इस्कंदर को देश का अगला राजा चुना। मलेशिया में राजा एक बड़े पैमाने पर औपचारिक भूमिका निभाता है, लेकिन लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता के कारण हाल के वर्षों में राजशाही अधिक प्रभावशाली हो गई है, जिसने निवर्तमान राजा को विवेकाधीन शक्तियों का शायद ही कभी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है।

मलेशिया में एक अनूठी प्रणाली है जिसमें उसके नौ शाही परिवारों के मुखिया बारी-बारी से पांच साल के कार्यकाल के लिए राजा बनते हैं। दक्षिण पूर्व एशियाई देश एक संसदीय लोकतंत्र है, जिसमें राजा राज्य के प्रमुख के रूप में कार्य करता है। शासकों की मुहर के संरक्षक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, सुल्तान इब्राहिम 31 जनवरी, 2024 को वर्तमान राजा अल-सुल्तान अब्दुल्ला से पदभार ग्रहण करेंगे। अन्य पारंपरिक मलेशियाई शासकों के विपरीत, सुल्तान इब्राहिम राजनीति के बारे में मुखर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि उनके प्रधान मंत्री अनवर इब्राहिम के साथ अच्छे संबंध हैं।

सुल्तान लक्जरी कारों और मोटरसाइकिलों के एक बड़े संग्रह के लिए जाना जाता है, के पास रियल एस्टेट से लेकर खनन तक व्यापक व्यावसायिक हित हैं। राजा अल-सुल्तान ने देश के अंतिम तीन प्रधानमंत्रियों को चुनकर मलेशियाई राजनीति में असामान्य रूप से सक्रिय भूमिका निभाई। संघीय संविधान राजा को केवल कुछ विवेकाधीन शक्तियाँ प्रदान करता है, जिसमें राजा को बड़े पैमाने पर प्रधान मंत्री और कैबिनेट की सलाह पर कार्य करना होता है। यह राजा को एक प्रधान मंत्री नियुक्त करने की भी अनुमति देता है जिसके बारे में उनका मानना ??है कि उसके पास संसदीय बहुमत है, एक ऐसी शक्ति जिसका उपयोग 2020 तक कभी नहीं किया गया, क्योंकि प्रधान मंत्री को आम तौर पर चुनाव के माध्यम से चुना जाता है।

ब्रिटिश सरकार की गलती का खामियाजा भुगत रहे पीओके के लोग, कश्मीरी एक्टिविस्ट ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के राजनीतिक कार्यकर्ता प्रोफेसर सज्जाद राजा ने गुरुवार को ब्रिटिश संसद में कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर विवाद में वैध पक्ष नहीं है। उन्होंने कहा कि पीओके में लोगों के साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया जा रहा है और उन्हें जम्मू-कश्मीर में मिलने वाली सुविधाओं का अधिकार है। कुछ ब्रिटिश सांसदों सहित अन्य वक्ताओं ने कश्मीरी पंडितों के संघर्ष और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रगति के बारे में बात की। सज्जाद राजा और वक्ता ब्रिटिश संसद में 26 अक्टूबर, 1947 को तत्कालीन रियासत के भारत में विलय की 76वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर, जम्मू और कश्मीर दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। सज्जाद राजा ने ब्रिटिश संसद में कही गई बात पर एक्स पर पोस्ट किया कि मैंने बहुत स्पष्ट रूप से और बिना किसी अस्पष्टता के सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को यह स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के विवाद में एक वैध पक्ष नहीं है। राजा ने कहा कि विवाद में केवल दो पक्ष हैं, जम्मू-कश्मीर के लोग और भारत। सज्जाद राजा की पोस्ट में कहा गया कि मैंने सांसदों से यह भी कहा कि हम, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के लोग 1947 में ब्रिटिश सरकार द्वारा की गई गलतियों के कारण अभी भी पीड़ित हैं और बिना किसी अधिकार के रहने को मजबूर हैं। अपने द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में, सज्जाद राजा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पाकिस्तान को भारत सरकार द्वारा यह वैधता दी गई है। राजा ने पूछा कि अगर मैं हाथ में बंदूकें लेकर इस कमरे में प्रवेश करूँ और जगह घेर लूँ, तो क्या आप मुझे एक वैध पक्ष मानेंगे, जब इस बात पर विचार किया जा रहा है कि मुझे इस संसद कक्ष से बाहर निकाल दिया जाना चाहिए? अभी भी देर नहीं हुई है और पाकिस्तान को हमें सभी बुनियादी मानवाधिकार देने के लिए मजबूर होना होगा।

इट हाउस पैनल ने नई ग्रीन कार्ड आवेदन का किया ऐलान, भारतीयों को कैसे इससे होगा फायदा

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेशी पेशेवरों, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीयों को एक बड़ी राहत देते हुए व्हाइट हाउस आयोग ने आवेदन प्रसंस्करण प्रणाली के प्रारंभिक चरण में एक रोजगार प्राधिकरण कार्ड और अन्य आवश्यक यात्रा दस्तावेज जारी करने की सिफारिश की है। यदि नई घोषणा लागू होती है, तो 80 लाख से अधिक आवेदकों को लाभ होगा, जिनमें अधिकतर भारतीय हैं। इसमें वे आवेदक शामिल होंगे जो 5 साल से अधिक समय से बैकलॉग में हैं और उन्होंने 2018 में अपना आवेदन जमा किया था।

एशियाई अमेरिकी, मूल निवासी हवाईयन और प्रशांत द्वीपसमूह (एएएनएचपीआई) मामलों के लिए व्हाइट हाउस आयोग ने गुरुवार को इस सिफारिश को मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव को अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा अनुमोदित किए जाने की आवश्यकता है और अनुमान लगाया जा रहा है कि कार्यान्वयन में 18 महीने से अधिक समय लग सकता है।

ग्रीन कार्ड अनुशंसा लाभार्थी

प्रस्ताव के अनुसार, डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (डीएचएस यूएससीआईएस) को उन व्यक्तियों को रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज (ईएडी) और यात्रा दस्तावेज देना चाहिए, जिन्होंने ईबी-1, ईबी में आई-140 रोजगार-आधारित वीजा याचिकाओं को मंजूरी दे दी है। -2, ईबी-3 श्रेणियां और पांच या अधिक वर्षों से वीज़ा बैकलॉग में प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह इस बात पर ध्यान दिए बिना होगा कि क्या उन्होंने स्थिति के समायोजन के लिए आवेदन दायर किया है।

बंधकों को रिहा करने को तैयार हमास, ईरान के विदेश मंत्री की चेतावनी- इस आग से अमेरिका भी नहीं बचेगा

तेल अवीव (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र में बोलते हुए ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन ने कहा कि हमास इस शर्त पर बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है कि 6,000 फिलिस्तीनी, जो वर्तमान में इजरायली जेलों में हैं, उन्हें भी रिहा किया जाएगा। उन्होंने मध्य पूर्व पर 193 सदस्यीय महासभा की बैठक में कहा कि हमारी बातचीत के अनुसार, हमास नागरिक कैदियों को रिहा करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, दुनिया को इजरायली जेलों में बंद 6,000 फिलिस्तीनियों की रिहाई का समर्थन करना चाहिए।

अमीराबदोल्लाहियान ने कहा कि हमास ने ईरान को समूह की स्थिति के बारे में सूचित किया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमीरबदोल्लाहियन ने अपने भाषण में चेतावनी भी जारी करते हुए कहा कि अगर 7 अक्टूबर को इजरायल में हमास के हमले के जवाब में इजरायल के रॉकेट गाजा पट्टी में हमला बंद नहीं करते हैं, तो अमेरिका इस आग से नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि मैं अमेरिकी राजनेताओं से, जो अब फिलिस्तीन में नरसंहार का प्रबंधन कर रहे हैं, स्पष्ट रूप से कहता हूं कि हम इस क्षेत्र में युद्ध के विस्तार का स्वागत नहीं करते हैं। लेकिन अगर गाजा में नरसंहार जारी रहा तो वे इस आग से बच नहीं पाएंगे।

अमीराब्दुल्लाहियन ने कहा कि ईरान कतर और तुर्की के साथ महत्वपूर्ण मानवीय प्रयास में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से, 6,000 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई वैश्विक समुदाय की एक और आवश्यकता और जिम्मेदारी है। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र से कहा था कि हालांकि वे ईरान के साथ संघर्ष नहीं चाहते हैं, लेकिन अगर ईरान या उसके प्रतिनिधि कहीं भी अमेरिकी कर्मियों पर हमला करते हैं तो वाशिंगटन तेज और निर्णायक कार्रवाई करेगा।

जेल में मेरे जान लेने की हो सकती है कोशिश, पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान का दावा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया है कि जेल में 'धीमे जहर' के माध्यम से उनके जीवन पर एक और प्रयास किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने देश छोड़ने से इनकार कर दिया है। चूंकि मैं अपना देश छोड़ने के लिए सहमत नहीं होऊंगा, इसलिए निश्चित रूप से, एक खतरा है कि वे (देश के शक्तिशाली हिस्सों का संदर्भ) मेरे जेल में रहने के दौरान मेरे जीवन पर एक और प्रयास करने की कोशिश करेंगे। ऐसा खान ने अपने परिवार द्वारा साझा किए गए और शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट किए गए संदेश में कहा कि धीमी गति से जहर देने का प्रयास भी हो सकता है। 71 वर्षीय खान सिफर मामले में रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। यह कहते हुए कि इस समय वह शारीरिक रूप से फिट हैं, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख ने कहा कि मुझे पता चल जाएगा कि क्या मेरा शरीर कमजोरी से बदलाव का अनुभव कर रहा है। लेकिन वे पहले ही मेरी जान लेने के दो सार्वजनिक प्रयास कर चुके हैं। एक्स पोस्ट के माध्यम से खान का दावा उस दिन आया है जब पाकिस्तान की एक अदालत ने सिफर मामले में जमानत और पहली एफआईआर रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिकाएं खारिज कर दीं। पिछले साल मार्च में वाशिंगटन में देश के दूतावास द्वारा भेजे गए एक गुप्त राजनयिक केबल (सिफर) का खुलासा करने के लिए उनके खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद खान को अगस्त में गिरफ्तार किया गया था।

संरा महासचिव द्वारा घोषित नए एआई परामर्श निकाय में भारत के प्रख्यात प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। कृत्रिम मेधा (एआई) के संचालन में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों का समर्थन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा घोषित एक नए वैश्विक सलाहकार निकाय में भारत के प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को नामित किया गया है।

एक बयान के अनुसार, बृहस्पतिवार को यहां संयुक्त राष्ट्र प्रमुख द्वारा एआई पर घोषित उच्च-स्तरीय बहुपक्षीय सलाहकार समिति में निकाय, सरकार, निजी क्षेत्र, अनुसंधान समुदाय, नागरिक संस्था और शिक्षा जगत के विशेषज्ञ शामिल हैं। यह समिति जोखिमों पर वैश्विक वैज्ञानिक सहमति बनाने, चुनौतियों, सतत विकास लक्ष्यों के लिए एआई के उपयोग में मदद तथा एआई के संचालन में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है।

परामर्श समिति के सदस्यों में प्रौद्योगिकी पर महासचिव के राजदूत अमनदीप सिंह गिल, इंडिया स्टैक, हेल्थ स्टैक और अन्य डिजिटल सार्वजनिक सामान की अवधारणा रखने वाले एक गैर लाभकारी प्रौद्योगिकी विचार समूह आईएसपीआईआरटी फाउंडेशन के सह-संस्थापक शरद शर्मा और हगिंग फेस, इंडिया में प्रमुख अनुसंधानकर्ता नाजनीन रजनी शामिल हैं। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए गुतारेस ने कहा, 'हमारे इस चुनौतीपूर्ण समय में एआई मानवता के लिए असाधारण प्रगति में सहायक हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'संकट का अनुमान लगाने और उनका समाधान करने से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं एवं शिक्षा सेवाओं को शुरू करने तक, एआई सभी स्तरों पर सरकारों, नागरिक संगठन और संयुक्त राष्ट्र के काम के दायरे को बढ़ा सकता है तथा विस्तारित कर सकता है।' गुतारेस ने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एआई पुरानी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने और उन लोगों तक सीधे सेवाएं पहुंचाने की संभावना प्रदान करता है जहां जरूरतें बड़ी हैं और जिन्हें उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

प्रौद्योगिकी पर महासचिव के दूत के रूप में नियुक्ति से पहले अमनदीप सिंह गिल जिनेवा के 'ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड डेवलपमेंट स्टडीज' में स्थित 'इंटरनेशनल डिजिटल हेल्थ एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च कोलैबोरेटिव (आई-डीएआईआर)' परियोजना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थे। इससे पहले वह डिजिटल सहयोग पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की उच्च-स्तरीय समिति (2018-2019) के कार्यकारी निदेशक और सह-प्रमुख थे।

गिल जिनेवा में निरस्त्रीकरण सम्मेलन (2016-2018) में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि थे। शरद शर्मा ने टेल्टियर टेक्नोलॉजीज की सह-स्थापना भी की, जो एक वायरलेस इंफ्रास्ट्रक्चर स्टार्टअप है जो अब सिस्को का हिस्सा है। उन्होंने भारत के पहले आईपी-केंद्रित कोष, 'इंडिया इनोवेशन फंड' की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की वित्तीय और नियामक प्रौद्योगिकी समिति के सदस्य रहे हैं और %एसेट टोकनाइजेशन% पर अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) की विशेषज्ञ समिति और जी20 के विचार समूह थिंकटैंक20 (टी20) समूह के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर कार्यबल के अध्यक्ष रहे हैं। नाज़नीन रजनी हगिंग फेस में मुख्य अनुसंधानकर्ता रही हैं, जो 'एआई सेफ्टी एंड एलाइनमेंट' में विशेषज्ञता रखती हैं। उन्हें लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) की मजबूती और मूल्यांकन में एक विशेषज्ञ और विचारक नेता के रूप में पहचाना जाता है।

दुनिया के सामने आया पाकिस्तान का दोहरा चरित्र, गाजा के लिए मानवता की दुआई, अपने देश से अफगान शरणार्थियों से देश छोड़ने को कह रहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। गाजा पट्टी पर इजरायली फौज के आक्रमण के बीच एक ओर पाकिस्तान जहां मानवता की दुहाई दे रहा है। जहां गाजा पट्टी में रह रहे 23 लाख लोगों के लिए रहम करने की अपील कर रहा है, वहीं अपने ही देश में रह रहे 17 लाख शरणार्थियों के लिए कसाई जैसा बर्ताव कर रहा है। पाकिस्तान की अंतरिम सरकार ने अवैध अप्रवासियों, खासकर अफगान शरणार्थियों को 31 अक्टूबर तक देश छोड़ने का आदेश दिया है। 31 अक्टूबर की समय सीमा के बाद ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी और निर्वासन की चेतावनी भी दी है। पाकिस्तान के कदम पर अफगान अधिकारियों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है। कई देशों, मानव अधिकार समूहों और अंतरराष्ट्रीय निकायों ने पाकिस्तान से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। इस माह की शुरुआत में, पाकिस्तान ने 17 लाख अफगान नागरिकों सहित दस्तावेज नहीं रखने वाले सभी अप्रवासियों को समय सीमा तक पाकिस्तान छोड़ने, या कारावास व निर्वासन का जोखिम उठाने की चेतावनी दी थी।

एक मीडिया रिपोर्ट में बुगती का हवाला देकर कहा, इस वर्ष देश में हुए 24 आत्मघाती बम विस्फोटों में से 14 के लिए अवैध अफगान नागरिक जिम्मेदार थे। पाकिस्तान के लोगों की सुरक्षा सरकार की प्रमुख जिम्मेदारी और सर्वोच्च प्राथमिकता है। पाकिस्तान में रहने वाले अवैध अप्रवासियों से स्वेच्छा से अपने देश लौटने का आग्रह करते हुए बुगती ने कहा कि सरकार ने इसतरह के व्यक्तियों को वापस भेजने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है।

बुगती ने कहा कि अवैध अप्रवासियों को रखने के लिए देश भर के विभिन्न शहरों में केंद्र स्थापित किए गए हैं, जबकि स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने वालों क मदद की जाएगी। बुगती को उद्धृत करते हुए कहा, यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है (लेकिन) पाकिस्तान सभी अवैध अप्रवासियों को निष्कासित करने के लिये संकल्पित है।

बता दें कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ की अध्यक्षता वाली एक शीर्ष समिति की बैठक में सभी अवैध आप्रवासियों को बाहर निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक में सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर और अन्य लोग शामिल हुए थे। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि सीमा पार आवाजाही पासपोर्ट और वीजा के अधीन होगी, जबकि इलेक्ट्रॉनिक अफगान पहचान पत्र (या ई-तजकिरा) केवल 31 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने प्रांतों के साथ-साथ इस्लामाबाद, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान में होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं और अवैध अप्रवासियों को चिकित्सा सुविधाएं और भोजन प्रदान किए जाएंगे। बुगती ने आश्वासन दिया कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं लेकिन धर्म शाश्वत है : मोहन भागवत

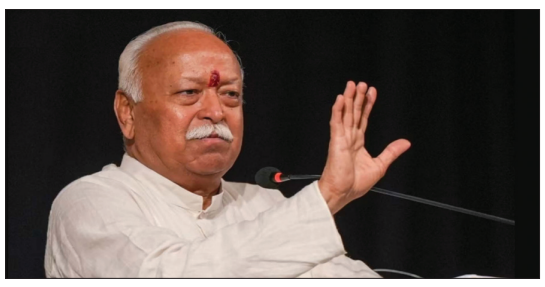

सहारनपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि धर्म सभी को मिलजुलकर रखता है। सारी दुनिया का धर्म एक है। पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं लेकिन धर्म शाश्वत है। इसका अंत होगा, तो सृष्टि समाप्त हो जाएगी। संत भी अलग-अलग संप्रदाय के होते हैं लेकिन अंदर से सब एक हैं। अंदर और बाहर से पवित्रता जरूरी है। संघ के सर संघचालक हाल ही में यहां कस्बा सरसावा में श्री कृष्ण ज्ञान मंदिर के रजत जयंती महोत्सव एवं श्रीकृष्ण मंदिर के भूमि पूजन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होने आए थे। इस दौरान उन्होंने भूमि पूजन करवाया। उन्होंने धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि सम्प्रदाय और पंथ अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सभी का धर्म एक हैं। धर्म की रक्षा करोगे, तो धर्म हमारी रक्षा करेगा। श्रीमद् भागवत गीता में भारत के जीवन का सार है जिसमें कहा गया है कि कुशलतापूर्वक काम करो। जो भी करो उत्तम करो। जीवन में किसी भी स्थिति से भागना नहीं है। डटकर मुकाबला करना है। स्थिति बदलती रहती है। व्यक्ति को श्रद्धा, दान और त्याग की भावना रखनी होगी। जो भी करो वह उत्तम होना चाहिए। जीवन में आने वाली परिस्थितियों से भागना नहीं है, इनका मुकाबला करो। यदि भाग गए तो जिंदा होते हुए भी मौत के समान है। प्रकृति के साथ चलें, यह धर्म की आवश्यकता है। दुनिया में ऐसे भी लोग हैं, जो दुष्ट हैं, उनसे घबराना नहीं है। हमारी किसी से दुश्मनी नहीं है। सभी को साथ लेकर चलें। संत समाज ने भी पंथ को अलग किया है, लेकिन धर्म में कोई भी भेद नहीं कर सकता है। पहले सनातन संस्कृति और धर्म की स्थापना हुई, उसके बाद ही पंथ और सम्प्रदाय बने। सम्प्रदाय का अर्थ देना है और धर्म सभी को जोड़कर चलने की शिक्षा देता है।

ममता के मंत्री गिरफ्तार, पश्चिम बंगाल में मचा सियासी घमासान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कई घोटाले हैं जिनकी जांच सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां कर रहीं है। आए दिन कोई न कोई नेता इनकी रडार पर आ जाता है। शुक्रवार को टीएमसी नेता और राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को 20 घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। राशन वितरण घोटाले के आरोपी मलिक का यह मामला उस वक्त का है जब वे खाद्य मंत्री थे। मलिक की गिरफ्तारी पर पश्चिम बंगाल में राजनीति शुरु हो गई है। टीएमसी ने इस कार्रवाई को पश्चिम बंगाल संस्कृति पर हमला बताया है। वहीं भाजपा ने भी पलटवार करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जब टीएमसी के नेता गले गले तक भ्रष्टाचार में डूबे तो कार्रवाई तो होगी। इसमें तकलीफ क्या है। ईडी के अधिकारियों ने कई करोड़ रुपए के कथित राशन वितरण घोटाले के संबंध में जांच के सिलसिले में मलिक के परिसरों पर गुरुवार को तड़के छापेमारी शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में स्थित राज्य के वन मंत्री मलिक के दो फ्लैट पर केंद्रीय बलों की एक टीम के सहयोग से छापा मारा। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने राशन वितरण में कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में पश्चिम बंगाल के वन मंत्री और पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को 20 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें शुक्रवार सुबह करीब 3.23 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी से पहले मलिक ने कहा था, मैं एक गंभीर साजिश का शिकार हूं। मैं यही कह सकता हूं। अधिकारी ने बताया कि मलिक के पूर्व निजी सहायक के मकानों सहित आठ अन्य फ्लैट पर भी छापेमारी की कार्रवाई जारी है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी ने कहा, मलिक के आवासों पर आठ अधिकारी छापे मार रहे हैं। हम उनके पूर्व निजी सहायक के दमदम स्थित आवास और कुछ अन्य स्थानों पर भी तलाशी ले रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है, जिसके सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मलिक के साथ कथित तौर पर करीबी संबंध हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के साथ संबंध को लेकर मलिक से पूछताछ की जा रही है और मंत्री के बैंक खातों की भी जांच की जा रही है।

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान की गोलीबारी के कारण शादियां बाधित

श्रीनगर। पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा अकारण की जा रही गोलीबारी के कारण जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के गांवों में दर्जनों शादियां प्रभावित हुईं और मजबूरी में विवाह से जुड़े रीति-रिवाजों में अंतिम समय में कुछ बदलाव करने पड़े। आर एस पुरा सेक्टर में इशांत सैनी और संगीता की शादी के दौरान पाकिस्तान द्वारा की गयी भारी गोलाबारी के कारण अधिकतर मेहमानों को दावत बीच में ही छोड़नी पड़ी। पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा सीमा पार से की गयी भारी गोलीबारी, 2021 के बाद से संघर्ष विराम उल्लंघन की पहली बड़ी घटना है, अरनिया क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात लगभग आठ बजे शुरू हुई यह गोलीबारी लगभग सात घंटे तक चली। इसने 25 फरवरी, 2021 को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए नए संघर्ष विराम समझौते से पहले सीमा पार से होने वाली लगातार और भारी गोलीबारी की यादें ताजा कर दीं।

संजय सिंह को नहीं मिली राहत, कोर्ट ने 10 नवंबर तक के लिए बढ़ाया न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार आप नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 10 नवंबर तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सिंह को अपने पारिवारिक खर्चों के साथ-साथ संसद सदस्य के रूप में अपने काम के लिए कुछ चेक पर हस्ताक्षर करने की भी अनुमति दी। न्यायाधीश ने संबंधित जेल अधिकारियों को सिंह के निजी डॉक्टर सहित उचित इलाज सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्हें ईडी ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। सिंह को न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आज अदालत में लाया गया था। इससे पहले उन्हें 13 अक्टूबर को आज तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने सिंह को जेल भेजने का आदेश दिया था जब जांच एजेंसी ने उन्हें ईडी हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया था। 20 अक्टूबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने संजय सिंह की रिमांड और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। आप नेता ने पहले उच्च न्यायालय को बताया था कि उनकी गिरफ्तारी अवैध, दुर्भावनापूर्ण और सत्ता को विकृत करने का क्लासिक मामला थी, और इसलिए उन्हें रिहा किया जाना चाहिए।

फेमा मामले में वैभव गहलोत ने पेश होने के लिए ईडी से मांगा 30 अक्टूबर तक का समय

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे और कांग्रेस नेता वैभव गहलोत को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फेमा मामले में तलब किया था। वह

शुक्रवार को एजेंसी के सामने पेश नहीं होंगे और उन्होंने 30 अक्टूबर तक का समय मांगा है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, वैभव ने एजेंसी को पत्र लिखकर पेश होने के लिए और समय मांगा है। सूत्र ने कहा कि उन्होंने ईडी को लिखा है कि वह 30 अक्टूबर को एजेंसी के सामने पेश होंगे। गुरुवार को, अशोक गहलोत ने ईडी द्वारा उनके बेटे को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) मामले में उसके सामने पेश होने के लिए जारी किए गए समन को साझा किया था। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को राजस्थान में राज्य इकाई प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा के परिसरों और उनके बेटे को समन सहित ईडी की तलाशी के समय पर सवाल उठाते हुए भाजपा सरकार की भी आलोचना की है। राजस्थान में 200 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 25 नवंबर को होना है और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

भारत को पूर्ण समुद्री उपस्थिति स्थापित करने के लिए चुनौतियों से पार पाना जरूरी : राष्ट्रपति मुर्मू

चेन्नई (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपनी समुद्री क्षमता का पूरा उपयोग कर सकता है लेकिन इससे पहले उसे बुनियादी ढांचा और देश के बंदरगाहों की संचालनगत चुनौतियों से निपटने सहित कई चुनौतियों से पार पाने की आवश्यकता होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्र पार करने के बारे में रूढ़िवादी सोच और आशंकाएं हमें महंगी पड़ीं, लेकिन अंततः भारत 200 वर्षों के औपनिवेशिक शासन के चंगुल से बाहर आ गया। यह महाद्वीपीय विकास पर अधिक केंद्रित हो गया, जबकि महाद्वीपीय विकास और नौवहन विकास परस्पर पूरक हैं। भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (आईएमयू), चेन्नई के आठवें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कहा, 'निसंदेह, हमारे पास पूरी तरह से एक मजबूत समुद्री उपस्थिति स्थापित करने के लिए आर्थिक और औद्योगिक संसाधनों की भी कमी थी।' उन्होंने कहा कि देश इस क्षेत्र की संभावनाओं का पूरी तरह से लाभ उठा पाए, उससे पहले भारत को कई चुनौतियों से पार पाना होगा।

मुर्मू ने कहा, 'उदाहरण के लिए गहराई संबंधी प्रतिबंधों के कारण कई मालवाहक जहाजों को पास के विदेशी बंदरगाहों की ओर मोड़ दिया जाता है। व्यापारिक और नागरिक जहाज निर्माण उद्योग में हमें दक्षता, प्रभावशीलता और प्रतिस्पर्धा के उच्चतम मानकों का लक्ष्य रखना होगा।' उन्होंने कहा कि भारतीय बंदरगाहों की परिचालन दक्षता और (जहाजों के) लौटने के समय के वैश्विक औसत मानक से मेल खाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब वार्षिक पत्तन की बात आती है तो देश शीर्ष 20 देशों में शामिल नहीं होता है। दुनिया भर के 50 सर्वश्रेष्ठ कंटेनर बंदरगाहों की सूची में भारत के केवल दो ही ऐसे बंदरगाह हैं। भारतीय बंदरगाहों को अगले स्तर पर पहुंचने से पहले निश्चित रूप से बुनियादी ढांचा एवं संचालनगत चुनौतियों से निपटना होगा। उन्होंने कहा, 'हमारे मछली पकड़ने के अधिकतर जहाज अब भी मशीनीकृत किए जाने बाकी हैं। इस संदर्भ में 'पत्तन विकास' से 'पत्तन आधारित विकास' की दिशा में 'सागरमाला' कार्यक्रम उल्लेखनीय कदम रहा है।'

अस्पताल में उपचाराधीन कांग्रेस नेता हरीश रावत को सीबीआई का नोटिस

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने स्टिंग मामले में पूछताछ के लिए शुक्रवार को नोटिस जारी किया। श्री रावत ने स्वयं अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा,आज जौलीग्रांट हॉस्पिटल में मेरे स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए एक बड़ी महत्वपूर्ण संस्था भी आई। सीबीआई के दोस्त आये और उन्होंने मुझे एक नोटिस सर्व किया, तो मुझे बड़ा ताज्जुब हुआ। मैंने कहा जिस दिन हॉस्पिटल में लोग स्वास्थ्य का हाल-चाल पूछने आ रहे हैं तो सीबीआई को लगा होगा फिर कहीं कि मुझसे, देश की अखंडता, एकता, सुरक्षा और लोकतंत्र को कुछ ज्यादा खतरा है, इसलिये हॉस्पिटल में ही उन्होंने मुझे नोटिस सर्वे किया है। वाह सीबीआई !!' उल्लेखनीय है कि हाल ही में कांग्रेस नेता का वाहन उधमसिंह नगर जिले में दुर्घटना ग्रस्त हो गया था जिसमें वह घायल हो गए। इस समय उनका उपचार हिमालयन अस्पताल, जौलीग्रांट (देहरादून) में चल रहा है। जहां परीक्षण में उनके पसली और कमर में चोट की पुष्टि हुई है। डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दिन अस्पताल में रुकने की सलाह दी है। इसी दौरान, आज उन्हें सीबीआई की ओर से यह नोटिस रिसीव कराया गया।

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के पास जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने का साहस नहीं: उमर अब्दुल्ला

जम्मू (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने दावा किया है कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने का साहस नहीं है और यदि संसदीय चुनाव कराना अनिवार्य नहीं होता, तो ये चुनाव भी नहीं कराए जाते।

अब्दुल्ला ने कहा, 'उन्होंने (भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने) उच्चतम न्यायालय में कहा कि शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों के चुनाव होंगे, लेकिन इस बारे में कोई अधिसूचना नहीं है। करगिल (एलएएचडीसी-करगिल) चुनावों में सामने आने वाली चुनौतियां पूरे जम्मू-कश्मीर में और बढ़ेंगी।' उन्होंने कहा, 'आखिरी बार विधानसभा चुनाव 2014 में हुए थे। हम पांच साल से राज्यपाल शासन के अधीन हैं। वर्ष 2019 के बाद महत्वपूर्ण सुधारों के दावे किए गए हैं। यदि ऐसा है, तो चुनाव में देरी क्यों?'

अब्दुल्ला ने दावा किया कि मतदाताओं का सामना करने को लेकर डर के कारण भाजपा चुनाव नहीं करना चाहती और वह सार्वजनिक रूप से दिखाती है कि उसमें आत्मविश्वास है, लेकिन उसके नेताओं में स्पष्ट रूप से डर व्याप्त है। उन्होंने बृहस्पतिवार की शाम को पुंछ जिले में संवाददाताओं से कहा, 'वे जनता की भावना से भलीभांति परिचित हैं। संसदीय चुनाव कराना उनके लिए अनिवार्यता है। अगर उनके लिए बाध्यता नहीं होती तो वे संसदीय चुनाव भी कतई नहीं कराते।'

उन्होंने कहा, 'वे लोगों का सामना करने से कतराते हैं। संसदीय चुनाव से पहले कोई पंचायत, बीडीसी (ब्लॉक विकास परिषद), डीडीसी (जिला विकास परिषद), शहरी स्थानीय निकाय या विधानसभा चुनाव नहीं होंगे।' अब्दुल्ला ने कहा, 'एलएएचडीसी (लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद)-करगिल चुनाव के नतीजों ने उनकी आशंकाओं को सही साबित कर दिया। नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने 26 में से 22 सीटें हासिल कीं। यहां तक कि चुनाव में जीतने वाले दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी हमें अपना समर्थन दिया।' अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के दिहाड़ी मजदूरों को आश्वासन दिया कि चुनाव अपरिहार्य हैं और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सत्ता में आने पर उनकी सेवाओं को नियमित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'आश्वस्त रहें, चुनाव देर-सवेर होंगे ही। एक बार जब नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनेगी, तो हम दिहाड़ी मजदूरों को नियमित करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।'

अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि जम्मू के सांसद ने लोगों के कल्याण को कभी प्राथमिकता नहीं दी। उन्होंने कहा, 'अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार का सावधानीपूर्वक चयन करें। मैं इस संसदीय सीट के 16 से 17 विधानसभा क्षेत्रों में हर वर्ग से जुडूंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि हर किसी की आवाज सुनी जाए।' उमर अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं विचार-विमर्श के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला को उम्मीदवारों की सिफारिश करूंगा। चुने गए उम्मीदवार को आप सभी का पूरा समर्थन मिलेगा।'

महुआ मोइत्रा के उपर दुबई का इतना नशा है कि मेरा भी नाम दुबे की जगह दुबई कर दिया : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों का सामना कर रही महुआ मोइत्रा को लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने अपना पक्ष रखने के लिए 31 अक्टूबर को बुलाया था। लेकिन, महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर को पत्र लिखकर यह बताया कि वह अपने संसदीय क्षेत्र में पहले से निर्धारित कार्यक्रमों के कारण 4 नवंबर से पहले दिल्ली नहीं आ सकती इसलिए समिति उन्हें 5 नवंबर के बाद कभी भी पेश होने का समय दे दे।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ स्पीकर को शिकायत देने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एथिक्स कमेटी के चेयरमैन को लिखे महुआ मोइत्रा के उसी पत्र के पहले पेज को शेयर करते यह कटाक्ष किया कि महुआ ने उनके नाम (सरनेम) 'दुबे' की जगह 'दुबई' लिख दिया और इससे उनकी मानसिक स्थिति का पता चलता है। दुबे ने महुआ मोइत्रा के पत्र की उसी गलती को अंडरलाइन करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'आरोपी सांसद के उपर दुबई का इतना नशा है कि मेरा भी नाम एथिक्स कमेटी के चेयरमैन को लिखे पत्र में दुबई कर दिया है, मोहतरमा ने मेरा दुबे नाम बदलकर अपने मानसिक स्थिति का वर्णन कर दिया है, हाय रे क़िस्मत?' निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा को नियमों की याद दिलाते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'दुबई दीदी ने कुछ लोगों को क्रॉस एक्जामिनेशन के लिए कहा, लोकसभा के नियमों ख़ासकर कौल-शकधर किताब के पेज 246 के तहत विटनेस कोर्ट, कचहरी, हल्ला गुल्ला से प्रोटेक्टेड है। खाता ना बही, दुबई दीदी जो कहे, वही सही। जबाब राष्ट्रीय सुरक्षा व भ्रष्टाचार का चाहिए, यहां तो अखाड़ा की तैयारी है।'

तेलंगाना को लेकर खड़गे की अध्यक्षता में तीसरी बार हुई सीईसी की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में लगभग एक माह शेष रहने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए तीसरी बार पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक की अध्यक्षता की। पार्टी नेताओं के मुताबिक, खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, राज्य इकाई प्रमुख ए.रेवंत रेड्डी, उत्तम रेड्डी, राज्य प्रभारी माणिक राव ठाकरे, सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क मल्लू और अन्य भी उपस्थित थे। पिछले कुछ महीनों में कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस नेताओं की उम्मीदवारी पर विस्तृत चर्चा हुई।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में बाकी उम्मीदवारों पर भी मुहर लगाई जाएगी और आने वाले दिनों में नेतृत्व उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करेगा। 15 अक्टूबर को, कांग्रेस ने तेलंगाना विधानसभा के लिए 55 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की, जिसमें डॉ. कोटा नीलिमा को सनथनगर विधानसभा क्षेत्र से, जुपल्ली कृष्ण राव को कोल्लापुर से, पार्टी के सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क मल्लू को मधुर एससी आरक्षित सीट से मैदान में उतारा गया। तेलंगाना विधानसभा के लिए मतदान 30 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

हमास को लेकर शशि थरूर ने ऐसा क्या कह दिया, शुरू हो गया विवाद, सीपीआई एम नेता ने उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद शशि थरूर उस समय विवादों में घिर गए जब उन्होंने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की रैली में अपने भाषण के दौरान 7 अक्टूबर के हमास हमलावरों को आतंकवादी कहा। आईयूएमएल की रैली फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए आयोजित की गई थी। सीपीआई (एम) नेता एम स्वराज ने कहा कि थरूर ने जो किया वह आईयूएमएल की कीमत पर इज़राइल एकजुटता बैठक थी।

हमास समर्थक समूहों और वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के हमलों का सामना करने के बाद, शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि 27 अक्टूबर को फिलिस्तीन समर्थक रैली में उनकी टिप्पणियों के कारण हुए विवाद के बारे में जानकर वह हतप्रभ थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने ऐसा करना चुना। इज़राइल-हमास संघर्ष पर उनके 32 मिनट के भाषण के एक छोटे से हिस्से पर ध्यान दें।शशि थरूर ने केरल के कोझिकोड हवाईअड्डे पर मलयालम में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मैं उन लोगों द्वारा मुझ पर किए गए हमलों के बारे में जानकर कुछ हद तक चकित हूं।

उन्होंने कहा कि अगर फ़िलिस्तीनी लोगों के मानवाधिकारों के प्रति मेरे समर्थन को नकारने के लिए बस इतना ही ज़रूरी है, तो मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। थरूर की टिप्पणी हमास समर्थक समूहों और वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के तीव्र सोशल मीडिया हमलों के बाद आई है। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की प्रमुख सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने कोझिकोड में फिलिस्तीन एकजुटता रैली का आयोजन किया था। यह रैली गाजा पर इजरायली हमलों के कारण महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों की कथित अंधाधुंध हत्याओं की निंदा करने के लिए आयोजित की गई थी।

बारिश से एक्यूआई बेहतर हो सकता: राजधानी में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में सर्दी की दस्तक के साथ ही वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। आशा हैं कि अगर बारिश हो जाए तो दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई बेहतर हो सकता है। लिहाजा, ये सवाल उठना लाजिमी है कि क्या बारिश से असल में हवा साफ हो जाती है? अगर हां, तो बारिश ऐसा क्या कर देती है कि हवा साफ सुथरी हो जाती है? आमतौर पर जब बारिश होती है तो हवा में मौजूद धूल कण उसकी ओर आकर्षित होकर जैल बना लेते हैं। हवा में मौजूद इन कणों को एरोसोल या एयर मॉल्यूक्यूल्स कहा जाता है। इन कणों में कालिख, सल्फेट्स और कई तरह के कार्बनिक कण होते हैं। ये कण वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार होते हैं।

बारिश की बूंदें और एरोसोल आपस में आकर्षित होकर जुड़कर धरती पर गिरते है। फिर पानी के साथ बह जाते हैं या धरती इन्हें सोख लेती है। अब सवाल उठता है कि ये प्रक्रिया कैसे होती है? जैसे ही बारिश की बूंद वायुमंडल में गिरती है, तो जमीन से टकराने के पहले सैकड़ों छोटे एयर मॉल्यूक्यूल्स को अपनी सतह पर आकर्षित कर सकती है। शोध में पाया गया है कि बारिश की बूंदें जितनी छोटी होंगी, हवा में मौजूद प्रदूषण के कणों को उतना ज्यादा आकर्षित करेंगी।

कई बार ये प्रक्रिया बादल की ऊंचाई और बारिश की तेजी पर भी निर्भर करती है।शोध में कहा गया है कि हर बारिश की बूंद आवेशित होती है। लिहाजा, बूंद वायुमंडल में मौजूद तमाम आवेशित कणों के साथ मिलकर जैल बनाती हैं। साफ है कि बारिश एयर पॉल्यूशन को नीचे ले आती है। हवा में तैरने वाले खतरनाक कण ही हवा में जहर घोलते हैं। यही कण सर्दी शुरू होने पर स्मॉग बनाते हैं। हवा में घुलकर ये स्मॉग दृश्यता कम करने के साथ ही आसमान में धुआं सा बना देता है। ये स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है।शुद्ध हवा में किसी भी तरह के प्रदूषक नहीं होते। इसमें दुर्गंध और धूल के कण भी नहीं होते। हवा में ऑक्सीजन की मात्रा 100 या 50 फीसदी नहीं होती, बल्कि करीब 21 फीसदी ही होती है। इसके बाद वायुमंडल में दूसरी सबसे ज?यादा पाई जाने वाली गैस नाइट्रोजन होती है।

वायुमंडल में करीब 78 फीसदी नाइट्रोजन होती है। बाकी गैसें एक फीसदी से कम मात्रा में होती हैं। ऑक्सीजन पृथ्वी की ऊपरी परत में सबसे ज्यादा होती है। ये पृथ्वी

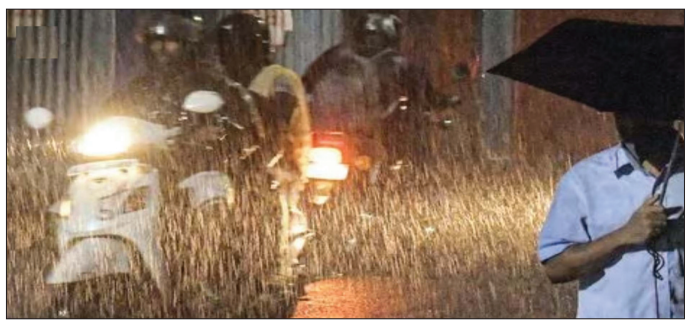

की ऊपरी परत का करीब 46.6 फीसदी हिस्सा होती है।बारिश होने तक ये कण हल्के होकर हवा में उड़ते रहते हैं। बारिश के संपर्क में आकर जैल बनाते हैं और धरती पर गिर जाते हैं। इसीलिए बारिश के बाद आमतौर पर हवा साफ हो जाती है। साफ हवा में नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड, हाइड्रोजन, हीलियम, ओजोन, निऑन, जेनान, जलवाष्प के कण शामिल होते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भष्टाचार में लुप्त अधिकारी, नगरसेवक की सिफारिश, कार्यकर्ताओं,दलालों से हेरान-परेशान जनता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,मनपा के आये दिन भष्टाचार के अनेक प्रकार की फरियाद अधिकारीयों से आने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नही किया जाता जिसका मुख्य कारण यह भी हैं की नगरसेवक अवैध कार्य पूरा करने के लिए अधिकारीयों पर दवाब बनाये जाते हैं जिसके चलते कुछ व्याहारिक सौदा बाजी भी किया जाता हैं,कस किसी बांधकाम में सूरत मनपा की टीम की नजरअंदाज कर कार्य पूरा करने की कोशिश कर रहे होतो हैं जिसकी वजह से सोसायटी में सफ़ाई के नाम पर सोसायटी में रहने वाले लोगो के सिर्फ बीमारीयों ही मिलती हैं, नगर सेवक को इस समस्याओं के लिए समयनही होता लेकिन किसी प्रकार की बांधकाम की सिफारिश करने के लिए अधिकारीयों की ऑफिस में बैठ कर चर्चाएँ करने का पर्याप्त समय दिया जाता हैं इस प्रकार की जानकारी अधिकारीयों के सूत्रों के पास से मिलने के बाद टीम की द्वारा स्थल पर जाँच गया किया तो हकीकत फोटोग्राफी में सामने आये.

सूरत मनपा में अवैध रूप से कार्य पूरा करने के लिए मनपा के पदाधिकारी करा रहे अधिकारीयों पर दबाववश कार्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत मनपा भष्टाचार एक पेड़ साबित हो रहा है, हालांकि अभी एकाएक उधना ज़ोन-बी में बदली कर नियुक्तिकिया गई अधिकारीयों की सामने कई सवाल खड़े हो गईं हैं, जिस कार्य को बदली किये गई अधिकारीयों द्वारा मंजूरी नही दिया गया था वह कार्य अभी पूरा कर दिया गया है,

जिसके चलते सूरत मनपा के अधिकारीयों पर और पदाधिकारियों पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, क्या सूरत मनपा अवैध रूप से इस प्रकार के कार्य के लिए कोई कार्यवाही करेंगे या फिर अवैध कार्य को निति-नियम के मुताबिक खोटाला कर कार्य पूरा किया जायेगा.